नई दिल्ली ■ रविवार 22 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 353 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 हर बूंद की पुकार: जल संरक्षण ही समाधान | 07 आकाशदीप पीठ की चोट के कारण आईपीएल से बाहर | 'किंग' का एक्शन करेगा सबको हैरान 08

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से फोन पर बात की

नौवहन की स्वतंत्रता पर जोर दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग खुले और सुरक्षित रहें।

ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि त्योहार का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बात की और ईद एवं नवरोज की शुभकामनाएं दीं। हमने आशा व्यक्त की कि त्योहार का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए। मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। उन्होंने कहा कि नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। प्रधानमंत्री ने ईरान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ईरान के निरंतर समर्थन की भी सराहना की।

मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति के बीच टेलीफोन पर यह दूसरी बातचीत थी। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने 12 मार्च को पीएम मोदी को ईरान की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में उभर रही सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और भारत के इस रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों और इजराइल को निशाना बनाया।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को भी नियंत्रित करता है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री परिवहन मार्ग है। इसके माध्यम से विश्व के 20 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादों का परिवहन होता है। संघर्ष के बाद से, ईरान ने बहुत कम जहाजों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी ने कई देशों के नेताओं से भी बात की है। इनमें सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस और मलेशिया के नेता शामिल हैं।

सड़क हादसे में फरसा वाले बाबा की मौत पर भीड़ ने किया पथराव, सेना ने संभाला मोर्चा

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले की कोसीकलां थाना क्षेत्र में फरसा वाले बाबा से मशहूर गौ सेवक चंद्र शेखर की एक सड़क हादसे में मौत हो गई।

उनके मौत के बाद बिगड़े तनावपूर्ण माहौल को शांत कराने के लिए सेना को बुलाना पड़ा। सेना के सूझबूझ से फिलहाल शहर के हालात काबू में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। इसी बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने शनिवार को अपना बयान जारी कर बताया कि गौरक्षक की सड़क हादसे में मौत हुई है। एसएसपी ने बताया कि कोसीकलां थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात करीब तीन से चार बजे के बीच में चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा ने एक वाहन को संदिग्ध मानकर रोका।

घना कोहरा होने के कारण पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई।

अमेरिका-इजराइल का ईरान के नतान्ज परमाणु संयंत्र पर हमला

तेहरान। ईरान ने अमेरिका-इजराइल पर आरोप लगाया है कि उसके नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया है। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक हमले के बावजूद किसी भी तरह के रेडियोधर्मी रिसाव की सूचना नहीं है।

ईरान का यह संयंत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण यूरेनियम संवर्धन स्थलों में से एक है और तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी युद्ध के बीच इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय और वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी अल जजीरा ने ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (आईएईओ) ने दावा किया है कि अमेरिका और इजराइल ने शनिवार सुबह नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर हमला किया। यह हमला मध्य ईरान में स्थित देश के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्रों में से एक पर किया गया। आईएईओ ने स्पष्ट किया कि शाहिद अहमदी रोशन संवर्धन संयंत्र में किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ के रिसाव की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक संयंत्र के आसपास रहने वाली आबादी को भी कोई खतरा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की कि ईरान ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। आईएईए ने कहा कि संयंत्र के बाहर विकिरण स्तर में किसी प्रकार की वृद्धि दर्ज नहीं की गई है और वह स्थिति की जांच कर रही है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने सैन्य संयम बरतने की अपील दोहराई है ताकि किसी भी परमाणु दुर्घटना से बचा जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी से जारी इस युद्ध का उद्देश्य अमेरिका-इज़राइल द्वारा ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। इससे पहले भी इस संघर्ष के शुरुआती दिनों में नतान्ज़ संयंत्र को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई थीं। इसी बीच इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ सैन्य हमले और तेज होंगे, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है।

होर्मुज को बंद नहीं किया, सिर्फ हमलावरों के सहयोगियों को बनाया निशाना : ईरान

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसने रणनीतिक होर्मुज को बंद नहीं किया है, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा जहाज़ों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

विदेश मंत्री अब्बास अराकची के इस बयान ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्थिति को लेकर नई स्पष्टता दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी संवाद समिति तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार जापान की क्योदो न्यूज़ एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि जलडमरूमध्य खुला है और अन्य जहाज़ों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जापान जैसे सहयोगी देशों के जहाज़ों के लिए ईरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है।

प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का निधन

नई दिल्ली। प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का शनिवार सुबह यहां हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह 59 वर्ष की थीं। परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। राउत के भाई मनोज राउत ने बताया की वह कुछ समय से अस्वस्थ थीं और दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती थीं, जहां शनिवार सुबह छह बजकर 22 मिनट पर उन्हें हृदयाघात हुआ।

भारतीय नौसेना 3 अप्रैल को युद्धपोत 'तारागिरी' को सेवा में करेगी शामिल

नई दिल्ली। सुपरसोनिक मिसाइल समेत अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत 'तारागिरी' को तीन अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और यह राष्ट्र के पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैन्य शक्ति बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयास का एक सशक्त प्रमाण होगा। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में 'तारागिरी' केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 6,670 टन का 'मेक इन इंडिया' भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा जहाज और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज 'तारागिरी' पिछले साल 28 नवंबर को एमडीएल, मुंबई में नौसेना को सौंप दिया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय नौसेना, भारत की समुद्री संप्रभुता के एक निर्णायक समारोह में तीन अप्रैल को अपने नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी (एफ41) को सेवा में शामिल करने की तैयारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि तारागिरी एक संयुक्त डीजल या गैस (सीओडीओजी) प्रणोदन संयंत्र द्वारा संचालित है। युद्धपोत का हथियार भंडार विश्व स्तरीय है। इसमें सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली हैं।

ये प्रणालियां अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से निर्बाध रूप से एकीकृत हैं जिससे चालक दल पलक झपकते ही खतरों का जवाब दे सकता है।

आयकर विभाग को वित्तीय लेन-देन से संबंधित जानकारी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होती है, जैसे कि बैंक, एसआरओ (उप-पंजीयक कार्यालय), वित्तीय संस्थान, विदेशी न्यायक्षेत्र, धर्मार्थ संगठन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियां आदि। यह जानकारी करदाताओं के साथ एआईएस, ई-वेरिफिकेशन और सक्षम नज (NUDGE) अभियानों के माध्यम से साझा की जाती है।
करदाताओं को तदनुसार सलाह दी जाती है कि वे एआईएस, ई-कैम्पेन और सक्षम नज (SAKSHAM NUDGE) से संबंधित उन संदेशों को देखें जो अप्रकाशित आय या असमर्थित कटौतियों/छूटों से जुड़े हैं, और अपने आयकर रिटर्न (ITR) की समीक्षा करें। यदि कोई आय घोषित नहीं की गई है या कोई दावा बिना उचित प्रमाण के किया गया है, तो उसे सुधारें और निर्धारित दर पर धारा 139(8A) के तहत अपना अपडेटेड ITR दाखिल करें। अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा संबंधित निर्धारण वर्ष (Assessment Year) की समाप्ति से चार वर्ष तक है।

अपडेटेड रिटर्न की मुख्य विशेषताएँ:
- **उद्देश्य (Purpose):** स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना और मुकदमेबाजी को कम करना।
- **फॉर्म (Form):** अपडेटेड रिटर्न संबंधित निर्धारण वर्ष के लिए लागू आयकर रिटर्न फॉर्म (ITR-1 से ITR-7) के साथ **फॉर्म ITR-U** का उपयोग करके दाखिल किया जाना आवश्यक है।
- **अतिरिक्त कर:** ITR-U दाखिल करने पर अतिरिक्त कर का भुगतान करना पड़ता है, जिसकी दर रिटर्न दाखिल करने के समय के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- **प्रतिबंध:** अपडेटेड रिटर्न हानि (Loss) का रिटर्न नहीं हो सकता, कुल कर देयता को कम नहीं कर सकता और न ही आयकर रिफंड की राशि में वृद्धि कर सकता है।

अतिरिक्त कर की दरें:
अतिरिक्त कर की राशि (जो देय कर और ब्याज की कुल राशि पर गणना की जाती है) इस बात पर निर्भर करती है कि रिटर्न कब दाखिल किया गया है।

निर्धारण वर्ष के लिए - ITR U	देय अतिरिक्त कर (यदि 31.03.2026 से पहले दाखिल किया जाए)
AY 2024-25	25% अतिरिक्त कर
AY 2023-24	50% अतिरिक्त कर
AY 2022-23	60% अतिरिक्त कर
AY 2021-22	70% अतिरिक्त कर

अधिक जानकारी के लिए तथा आयकर का भुगतान करने हेतु
www.incometax.gov.in

CBC 15401/13/0015/2526

ITR-U ट्यूटोरियल के लिए QR कोड स्कैन करें
आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
अधिक जानकारी के लिए: www.incometax.gov.in
ITR-U से जुड़े FAQs के लिए QR कोड स्कैन करें
@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOffcial @IncomeTaxIndiaOffcial @Income Tax India @ Income Tax India Offcial

ईद की नमाज अता कर देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

नोएडा। रमजान मुबारक के 30 रोजे पूरे होने के बाद जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में शनिवार को ईद (ईद-उल-फितर) मनाई गई। शनिवार सुबह से ही मुस्लिम इलाके ईद की खुशियों में डूब गए। शहर की सभी छोटी-बड़ी मस्जिदों, दरगाहों और आदि में ईद की नमाज अता की गई।

सुबह साढ़े छह बजे से ईद की नमाज की शुरुआत हुई। नोएडा में नमाज सेक्टर-8 की जामा मस्जिद समेत निठारी, भंगेल, ककराला, सलारपुर, सेक्टर-50, सेक्टर-9, सेक्टर-10, सेक्टर-45 के अलावा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के दादरी, जेवर, दनकौर सहित अन्य जगहों पर लोगों ने नमाज अता कर मुल्क की तरक्की और खुशहाली की दुआ की। इस दौरान सभी ईदगाह व मस्जिदों के आस-पास भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती रही। नमाज अता करने के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद की नमाज से पहले लोगों ने हक में आया फितरा गरीबों में तकसीम किया। कुर्ता, पायजामे, शेरवानी, पठानी सूट, खान सूट में लोग मस्जिदों में नमाज के लिए पहुंचे। खासकर छोटे बच्चों में ईद की खुशियां शहर की रौकन बनकर नजर आईं। ईद के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। मस्जिदों के आसपास पुलिस की तैनाती रही। पुलिस टीमों ने ड्रोन के जरिये भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की। इस दौरान नमाज अता करने आये शहाबुद्दीन ने बताया कि ईद का त्योहार भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि नोएडा सेक्टर-8 की जामा मस्जिद की खास बात यह है कि यहां पर हिंदू भाई नमाजियों से पहले पहुंचकर उन्हें बधाई देते हैं। जिला प्रशासन की तरफ से भी काफी सहयोग मिलता है। सभी लोग गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं।

ईदगाह व मस्जिदों के आस-पास पुलिस बल तैनात

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में एवं अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में ईद-उल-फितर के दृष्टिगत सभी धार्मिक स्थलों के आस-पास पुलिस बल को तैनात किया गया है। सभी संवेदनशील स्थानों के आस-पास पीआरवी वाहनों को भी तैनात किया गया है। पीएसी बल व सादे कपड़ो में सिविल पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है। पुलिस टीम द्वारा 24 घंटे इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर से माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। सभी महत्वपूर्ण व भीड़भाड़ वाले स्थानों के आस-पास राजपत्रित अधिकारी संबंधित थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी द्वारा शांति व्यवस्था को सुनिश्चित किया जा रहा है।

सेक्टर-63ए में विधायक ने सेक्टरवासियों की सुनीं समस्याएं

नोएडा। विधायक पंकज सिंह और भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय निवासियों के साथ सेक्टर-63ए में बैठक की। इस दौरान उन्होंने निवासियों एवं आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से विस्तारपूर्वक समस्याएं सुनीं और सभी प्रमुख समस्याओं को एक सप्ताह के भीतर समाधान का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहें।

सेक्टर-63ए में हुई बैठक के दौरान ओम रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमपाल शर्मा के नेतृत्व में सेक्टरवासियों ने क्षेत्र की विभिन्न गंभीर समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी ने सेक्टर में स्थानीय मार्केट के अभाव को प्रमुख मुद्दा बताते हुए कहा कि सेक्टर-63ए तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं के अनुरूप कोई व्यवस्थित मार्केट नहीं है। इससे निवासियों को दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दूर जाना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों दोनों की हानि होती है। यदि सेक्टर में एक सुव्यवस्थित मार्केट विकसित किया जाता है, तो इससे न केवल स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी बल्कि छोटे व्यापारियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

बैठक के दौरान प्रमुख समस्याओं में सीवर ओवरफ्लो, खुले मेनहोल, सफाई व्यवस्था की कमी, एफएनजी रोड पर बहलोलपुर पुलिस चौकी के सामने फुट ओवर ब्रिज की मांग, सड़क के बीच स्थित ट्रांसफार्मर, अवैध अतिक्रमण, स्थानीय मार्केट का अभाव, स्पीड ब्रेकर की आवश्यकता, आवारा पशुओं का आतंक एवं जल निकासी की समस्या शामिल रहीं। विधायक ने उक्त सभी मांगों को जनहित से जुड़ा बताते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

इसके साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े सभी मुद्दों का त्वरित एवं स्थायी समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान ओमपाल शर्मा, मुकेश शर्मा, रामनिवास यादव, मनोज भाटी, उदयवीर शर्मा, लीकेश शर्मा, विक्रांत चौहान, सतपाल चौहान, छत्रपाल चौहान, धर्मपाल चौधरी, ओमपाल चौधरी, सुंदर चौहान, सुरेंद्र यादव, अरुण मौर्य, आनंद कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लोकार्पण को लेकर हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लोकार्पण के लिए 28 मार्च को प्रस्तावित कार्यक्रम की की तैयारियों को लेकर शनिवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ उत्तर प्रदेश शासन के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह, यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, एसीईओ शैलेन्द्र भाटिया, जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लोकार्पण को लेकर हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था,जनसहभागिता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। 22 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। बैठक में जेवर विधायक ने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के आवागमन, पार्किंग, यातायात प्रबंधन को लेकर विशेष फोकस करने की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित, सहज और सुगम तरीके से कार्यक्रम में सम्मिलित हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन एवं एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने में कोई कमी न रहे। विधायक ने कहा कि यह अवसर न केवल जनपद गौतमबुद्ध नगर, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं, ताकि यह कार्यक्रम प्रदेश के विकास की नई गाथा लिख सके।

ईद पर पुलिस की शानदार पहल, मोबाइल फोन पाकर 220 लोगों के चेहरे पर आई मुस्कान

नोएडा। मोबाइल फोन गुम होने के बाद उसके वापस मिलने की उम्मीद लोगों में लगभग खत्म सी हो जाती है। लेकिन नोएडा पुलिस ने ईद के मौके पर 220 लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौटाने का शानदार काम किया है। पुलिस की एक विशेष टीम ने अभियान चलाकर लगभग 50 लाख रुपये कीमत के सैकड़ों खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं और उन्हें उनके असली मालिकों के हाथों में सौंप दिया है।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नोएडा के अलग-अलग हिस्सों से गुम और चोरी हुए 220 स्मार्ट मोबाइल फोन को ढूंढकर शनिवार को पीड़ितों को सौंपा। गठित स्पेशल टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से गायब हुए मोबाइल फोनों को तलाशा किया। पुलिस के अधिकारियों के अनुसार यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। वहीं सभी मोबाइल धारकों ने अपने-अपने मोबाइल फोन वापस पाकर पुलिस की प्रशंसा की और अपना मोबाइल देखकर सभी के चेहरे खिल उठे। जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार, डीसीपी नोएडा साद मियां खान के निर्देशन में, अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा मनीषा सिंह व सहायक पुलिस आयुक्त नोएडा जोन के पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल नोएडा एवं थाना सेक्टर-49 व अन्य थाना नोएडा जोन पुलिस द्वारा विभिन्न व्यक्तियों के गुम हुए 220 स्मार्ट मोबाइल फोन को सर्विलांस के माध्यम से खोजकर उनके स्वामियों के सुपुर्द किए गया है।

एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि लोगों के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटो, बसों, सुबह-शाम टहलते समय मोबाइल फोन गिर जाते थे या कहीं छूट जाते थे। जिनके संबंध में थानों में गुमशुदगी दर्ज थी। इससे पहले भी पुलिस कई मोबाइल फोनों को तलाश कर पीड़ितों के सुपुर्द कर चुकी है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सभी थानों से चोरी और गुम हुए मोबाइल की जानकारी ली गई। इसके बाद नंबर को सर्विलांस पर लगाया गया। अन्य तकनीकों का भी इस दौरान सहारा लिया गया। कई मोबाइल को चोरों और बदमाशों ने राहगीरों को बेहद कम दाम में बेच दिया था। पुलिस ने जब मोबाइल खरीदने वालों को कार्रवाई का डर दिखाया तो उन्होंने मोबाइल फोन पुलिस के सुपुर्द कर दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मोबाइल फोन के मालिकों को ट्रेस करके आज उन्हें मोबाइल फोन सौंप दिया है। पुलिस द्वारा मोबाइल फोन सौंपे जाने से फोन के मालिकों के चेहरे पर मुस्कान बिखर गई। उन्होंने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि नोएडा जोन पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास को सुदृढ़ करने के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार प्रभावी एवं संवेदनशील कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

डिजिटल कौशल और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नोएडा। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के बीच डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास व व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा के लिए समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों के लिए आईसीटी व उभरती प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को सुलभ बनाना, उद्योग-उन्मुख कौशल को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है।

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया व स्किल इंडिया के अनुरूप है। देश में समावेशी व लचीली शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाएगी। इस सहयोग के अंतर्गत नाइलिट की ओर से पाठ्यक्रम विकास, प्रशिक्षण, प्रमाणन व तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा, जबकि एनआईओएस अपने अध्ययन केंद्रों व शिक्षार्थी नेटवर्क के माध्यम से कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

इस मौके पर एनआईओएस के अध्यक्ष प्रो अखिलेश मिश्र, सचिव कर्नल शकील अहमद, नाइलिट के महानिदेशक डॉ मदन मोहन त्रिपाठी और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन आईएएस उपस्थित रहे।

अवैध रूप से खाद्य सामग्री बेचने के मामले में पांच वेंडर पकड़े

दादरी। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर अलग-अलग एक्सप्रेस ट्रेनों में अवैध रूप से खाद्य सामग्री बेचने के मामले में पांच वेंडरों को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से खाद्य सामग्री बरामद की गई। रेलवे अधिनियम एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर एक्सप्रेस ट्रेन मारीपत रेलवे स्टेशन पर रुक गई। आरपीएफ ने चंदौली जनपद के गोबहरा गांव निवासी प्रदीप यादव, बिहार के जनपद वैशाली के डिग्गी कला गांव निवासी रोहित तथा बिहार के पनापुर गांव निवासी रामप्रवेश को खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़ लिया। जब उनसे वेंडर सर्टिफिकेट मांगा गया तो नहीं दिखा सके। पुलिस ने तीनों को पकड़ कर खाद्य सामग्री कब्जे में ले ली। जबकि दादरी रेलवे स्टेशन यार्ड में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन खड़ी हो गई। जांच के दौरान बिना वैध प्रमाण-पत्र के दरभंगा के चकला गांव निवासी सुशील कुमार व छपरा बिहार के बिट्टू कुमार को खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़ा गया।

कम नहीं हो रही सिलिंडर लेने वालों की कतार

नोएडा। एलपीजी सिलिंडर की किल्लत में सुधार के बजाय दिन ब दिन स्थिति बिगड़ती जा रही है। शुक्रवार को बारिश के दौरान भी सुबह से ही लोग एजेंसी और गोदामों के बाहर सिलिंडर लेने के लिए कतार में लग गए। इतना समय बीत जाने के बाद भी हालात बदले नहीं हैं। सिलिंडर लेने वालों की संख्या और बढ़ गई है। वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति न होने से उद्योग और रोज कमाने-खाने वालों पर भी आर्थिक संकट मंडरा रहा है।

सेक्टर 22, 23 गैस एजेंसी, सेक्टर 54 गोदाम, बहलोलपुर एजेंसी, निठारी, सेक्टर 4, भंगेल, सेक्टर 73 पर शुक्रवार को भी बारिश में लोग सिलिंडर लेने के लिए डटे रहे। कोई छाता लेकर तो कोई लाइन में सिलिंडर रखकर नजदीक स्थित दुकान पर खड़े होकर अपना नंबर आने की प्रतीक्षा में लगे रहा। दोपहर बारह बजे के बाद बारिश थमने से मौसम ने तो राहत दी लेकिन एजेंसियों से उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल सकी। सिलिंडर खत्म होने पर काफी लोगों को वापस लौटना पड़ा। इससे लोगों ने हंगामा भी किया।

> पर्याप्त मात्रा में सिलिंडर की आपूर्ति हो रही है लेकिन जिनके वाणिज्यिक कनेक्शन हैं वे अव्यवस्था फैला रहे हैं। बगैर बुकिंग कराए सिलिंडर लेने पहुंचने से लाइन बढ़ रही है।
>
> *-स्मृति गौतम, जिला पूर्ति अधिकारी।*

ग्रेटर नोएडा मण्डल कार्यालय में बैठक 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऐतिहासिक लोकार्पण की तैयारियों पर मंथन

ग्रेटर नोएडा। भाजपा के ग्रेटर नोएडा मण्डल कार्यालय में 28 मार्च को प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर एक विशेष रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने पर जोर दिया गया।

बैठक जिला उपाध्यक्ष दीपक भारद्वाज और मण्डल अध्यक्ष अर्पित तिवारी की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में उद्घाटन समारोह की व्यवस्थाओं, कार्ययोजना और संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच दायित्वों का सुव्यवस्थित वितरण किया गया। बैठक में मण्डल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। इस दौरान महेश शर्मा, गीता सागर, राघवेंद्र त्रिपाठी, सुनील पंडित, विजय कसाना, दुष्यंत चौहान, कपिल भाटी, संजय चौहान, मुकेश दीक्षित, रवि श्रीवास्तव, अमीता सिंह, भारत भूषण परमार, गौरव तोमर, प्रभात अग्रवाल, अरुण मलेठा और भगवत प्रसाद शर्मा की विशेष उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण पश्चिमी उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया अध्याय साबित होगा। इससे क्षेत्र में आर्थिक प्रगति, निवेश और औद्योगिक विस्तार को नई गति मिलेगी।

बारहवीं फ्लोर की बालकनी से गिरकर मासूम बच्चे की मौत

नोएडा। जिले के बिसरख थाना में एक सोसाइटी के 12वें फ्लोर पर स्थित फ्लैट की बालकनी से नीचे गिरकर तीन साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। घटना के समय बच्चे की मां उसे फ्लैट में अकेला छोड़कर दूसरे बच्चे को ट्यूशन छोड़ने के लिए गई थी।बिसरख थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने शनिवार को बताया कि लाइफ सिटी हॉस्पिटल से सूचना मिली कि गौर सिटी वन सेवन एवेन्यू सोसाइटी के 12वें फ्लोर पर संजयपाल सयुंक्त परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी मंजू पाल शुक्रवार दोपहर को छोटे बेटे सागनिक पाल (03) को घर में अकेला छोड़कर बड़े बेटे को सोसाइटी के अंदर ही ट्यूशन सेंटर छोड़ने गई थीं। सागनिक बालकनी में खेल रहा था। तभी वह नीचे जमीन पर गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। देर रात को अस्पताल कर्मचारियों की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। इस घटना से सोसाइटी के लोगों का कहना है कि फ्लैट की बालकनी के बीच में लगी रेलिंग में आपस मे इतना गैप है कि कोई भी बच्चा खेलते हुए नीचे गिर सकता है। इस घटना को लेकर लोगों ने बिल्डर के प्रति रोष जताया है।

उत्तम नगर में तनाव के बीच ईद शांतिपूर्ण, थाने के बाहर हंगामा

नई दिल्ली। उत्तम नगर इलाके में शनिवार को एक ओर जहां ईद-उल-फितर का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया, वहीं दूसरी ओर थाने के बाहर हंगामे की स्थिति देखने को मिली। बीच-बीच में "जय श्री राम" के नारे लगाए जाने से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, ईद के मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज के बाद लोगों ने आपस में गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। प्रशासन और पुलिस की कड़ी निगरानी के चलते पूरे इलाके में त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। किसी भी संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की थी। करीब 1500 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, जबकि 400 से अधिक पैरामिलिट्री बल के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। इसके अलावा 100 से ज्यादा चेकिंग प्वाइंट बनाए गए थे। ड्रोन के जरिए निगरानी रखी गई और ऊंची इमारतों पर भी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। पुलिस ने भड़काऊ सामग्री और बयानबाजी पर सख्ती दिखाते हुए 68 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को बंद कराया है। साथ ही एहतियात के तौर पर मीडिया के इलाके के अंदर प्रवेश पर अस्थायी रोक लगाई गई है। नजफगढ़ से उत्तम नगर आने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग कर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वाहनों की तलाशी ली जा रही है और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुबह नमाज के दौरान स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में रही। स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के चलते कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि, कुछ संगठनों द्वारा नारेबाजी की कोशिश की गई, जिसे पुलिस ने तुरंत नियंत्रित कर लिया। फिलहाल थाने के बाहर जारी हंगामे को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार इलाके का दौरा कर रहे हैं और हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में ईद-उल-फितर का पर्व पूरी अकीदत के साथ मनाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली में ईद उल फितर का पर्व पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जा रहा है। आज सुबह मुसलमानों के जरिए नमाज-ए-दोगाना अदा कर विश्व में शांति और देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने ईद की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर मस्जिद में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद इमाम अहमद बुखारी ने विशेष दुआएं कीं। मस्जिद प्रांगण, सीढ़ियों और सड़क पर भी लोगों को नमाज पढ़ते हुए देखा गया। पुरानी दिल्ली की एक और शाही मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने विश्व में व्याप्त अशांति के माहौल का जिक्र करते हुए शांति स्थापित करने की मांग की। उन्होंने विश्व में शांति, देश में खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआ की। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। रानी झांसी रोड स्थित शाही ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज का आयोजन किया गया। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। एंग्लो अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की गई, जहां पर नमाजियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किया गया था। इसके साथ ही दिल्ली के सभी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों के मोहल्लों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया की मस्जिद और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की मस्जिद में भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। पुरानी दिल्ली के अलावा यमुना पार के लक्ष्मी नगर, शकरपुर, झील, खुरेजी, ताज एनक्लेव, शास्त्री पार्क, सीलमपुर, वेलकम, शाहदरा, नंदनंगरी, सीमापुरी, मौजपुर, मुस्तफाबाद, करावल नगर, त्रिलोकपुरी, कल्याण पुरी, मयूर विहार, वसुंधरा, सराय काले खां, जामिया नगर, बटला हाउस, अबुल फजल एनक्लेव, बदरपुर, तुगलकाबाद, संगम विहार, हमदर्द नगर , मदनगीर, खानपुर, हौज रानी, महरौली, साकेत वसंत कुंज,वसंत विहार के साथ-साथ बाहरी दिल्ली के क्षेत्र में स्थित मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की है। इस मौके पर मस्जिदों के बाहर गुब्बारे और खिलौने आदि बेचने वालों की कतार देखने को मिली जहां बच्चों को खुशी-खुशी खरीदारी करते हुए भी देखा गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाले दिल्ली के युवाओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) में सफलता हासिल करने वाले युवाओं ने अपनी मेहनत और संकल्प से दिल्ली का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित 'दिल्ली के गौरव – यूपीएससी अचीवर्स अभिनंदन समारोह 2026' में सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह सफलता दिल्ली की उस संभावनाओं से भरी संस्कृति का प्रतीक है, जिसने युवाओं को उनके सपनों को साकार करने का मंच दिया। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर सफल उम्मीदवारों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिवारजनों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि परिवार के त्याग, विश्वास और सहयोग के बिना इस तरह की उपलब्धि संभव नहीं हो पाती।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब उनके जीवन का अगला चरण और भी चुनौतीपूर्ण होगा, जहां उन्हें अपनी प्रतिभा, क्षमता और ज्ञान का उपयोग जनसेवा के लिए करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये सभी युवा संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और देश के विकास तथा राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए युवाओं और उनके परिवारों ने कई त्याग किए हैं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही इस सफलता की कुंजी है। मुख्यमंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया।

आईपीयू ने डे केयर सेंटर में डेंटल चेक-अप कैंप का किया आयोजन

नई दिल्ली। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र ने शनिवार को द्वारका परिसर के डे-केयर सेंटर में एक मेगा डेंटल चेक-अप कैंप का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य डे-केयर सेंटर के छोटे बच्चों में मौखिक स्वच्छता और प्रिवेंटिव डेंटल केयर के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम चिकित्सा अधिकारी डॉ. तारा चंद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। डेंटल अधिकारी और केंद्र के डेंटल असिस्टेंट द्वारा समन्वय डॉ. वर्तिका मोंगा ने किया। कैंप को केंद्र के अनुभवी डेंटल पेशेवरों का समर्थन प्राप्त था, जिन्होंने डेंटल चेक-अप कैंप के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कैंप में 25 से अधिक छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्हें मुफ्त डेंटल चेक-अप सेवाओं का लाभ मिला। मौखिक परीक्षण किए गए और छोटे बच्चों को दांतों की उचित स्वच्छता बनाए

रखने के लिए विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। छोटे बच्चों को कैविटी, गम रोग और मौखिक संक्रमण जैसी आम डेंटल समस्याओं के बारे में शिक्षित किया गया। उन्हें सही ब्रशिंग तकनीक, आहार की आदतों और नियमित डेंटल चेक-अप के महत्व पर व्यक्तिगत सलाह भी मिली। इस पहल ने डेंटल चिंताओं का जल्दी पता लगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और बच्चों में प्रिवेंटिव केयर को प्रोत्साहित किया। यह आयोजन अत्यधिक प्रभावशाली साबित हुआ, जिससे बच्चे समुदाय में मौखिक स्वास्थ्य के महत्व को मजबूत किया गया। यह परिसर में समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतःविषय सहयोग का एक सफल उदाहरण है।

लूट, झपटमारी और हत्या के प्रयास का आरोपित दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (सदर्न रेंज) ने लूट, झपटमारी और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में शामिल एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा था और उसे कोर्ट द्वारा भगोड़ा भी घोषित किया जा चुका था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान राहुल उर्फ गंजा उर्फ लंगड़ा उर्फ संजय (32) के रूप में हुई है। वह रोहिणी का रहने वाला है। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, वह वर्ष 2023 में मंगोलपुरी थाने में दर्ज मोबाइल झपटमारी के एक मामले में वांछित था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। वह विजय विहार और आसपास के इलाकों में भी सक्रिय था। क्राइम ब्रांच को 20 मार्च को आरोपित की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम में एएसआई राम किशन, एएसआई सुरेश कुमार, कांस्टेबल प्रतीक, महिला हेड कांस्टेबल ज्योति और महिला कांस्टेबल पूनम शामिल थीं। टीम ने विजय विहार के लाल क्वार्टर इलाके में छापा मारकर आरोपित को दबोच लिया। जांच में पुष्टि हुई कि आरोपित को 25 नवंबर 2025 को कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। इसके बावजूद वह पुलिस से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे बीएनएसएस की धारा 35(1)(डी) के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, राहुल एक घोषित बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें लूट, झपटमारी, चोरी और हत्या के प्रयास जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। वह खास तौर पर विजय विहार, मंगोलपुरी और आसपास के इलाकों में वारदातों को अंजाम देता था।

नंदू गैंग का शार्प शूटर और हथियार सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में संगठित अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (डब्लूआर-II) यूनिट ने कुख्यात नंदू गैंग के एक शार्प शूटर और उसके हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, गिरफ्तार शूटर की पहचान हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी 25 वर्षीय सुमित पूनिया के रूप में हुई है। सुमित पूनिया कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के गैंग का सक्रिय सदस्य है और वर्ष 2021 के स्पेशल सेल एनकाउंटर मामले में फरार चल रहा था। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सुमित पूनिया द्वारका इलाके में मौजूद है। इसके बाद इंस्पेक्टर गौतम मलिक

के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और मैन्युअल सर्विलांस के जरिए आरोपित की गतिविधियों पर नजर रखी और सटीक मौके पर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय उसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में सुमित ने खुलासा किया कि वह बचपन से ही नंदू उर्फ कपिल सांगवान के संपर्क में था और 2020-21 के दौरान उसने गैंग ज्वाइन कर लिया था। गैंग में उसकी भूमिका शार्प शूटर की थी और वह रंगदारी वसूली तथा धमकाने जैसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। सुमित की निशानदेही पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हथियार सप्लायर बदर इस्लाम को भी गिरफ्तार किया। बदर इस्लाम गैंग को अवैध हथियार मुहैया कराता था, जिनका इस्तेमाल रंगदारी और आपराधिक वारदातों में किया जाता था। उसके कब्जे से भी एक पिस्टल बरामद हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इनकी गिरफ्तारी से नंदू गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और इससे दिल्ली में अपराध पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) यूनिट ने 50 हजार रुपये के इनामी और भगोड़े आरोपित को गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2023 के सरिता विहार इलाके में हुए एक हत्या कांड में वांछित था और पिछले ढाई साल से लगातार फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहूल अलवाल ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान अतोनु हल्दर उर्फ अतुल हल्दर (23) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दिल्ली के सरिता विहार का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ वर्ष 2023 में दर्ज हत्या के मामले (एफआईआर संख्या 491/2023) में कई गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। इस मामले की क्रूरता ने उस समय पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, 15 सितंबर 2023 को एक 15 वर्षीय छात्र ने शिकायत दी थी कि उसके पिता का पहले कुछ लोगों से विवाद हुआ था। उसी रात

7-8 हमलावर बाइक पर सवार होकर उसके घर पहुंचे और उसके पिता पर चाकू, डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने पड़ोसी के घर में घुसकर भी पीड़ित को नहीं छोड़ा और हमला जारी रखा। बीच-बचाव करने आई उसकी मां को भी घायल कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अतोनु हल्दर लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम की महीनों की मेहनत और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपित का सुराग निकाला। जांच में पता चला कि वह बार-बार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा है। आखिरकार उसकी लोकेशन गुजरात के गांधीनगर में ट्रेस की गई। इसके बाद इंस्पेक्टर महिपाल के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वारदात के बाद वह पहले मुंबई भाग गया, जहां करीब एक साल तक छिपा रहा।

गैंगस्टर-आर्म्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हाई-प्रोफाइल गैंगस्टर और अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस ऑपरेशन में कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, नकदी, सोना-चांदी, लग्जरी घड़ियां और एक मॉडिफाइड बुलेटप्रूफ स्कॉर्पियो बरामद की है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस की टीमों ने यह संयुक्त कार्रवाई अलीपुर थाना और एएटीएस के साथ मिलकर की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 19 मार्च को पुलिस को ताजपुर कलां गांव में हथियारबंद अपराधियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद एसएचओ अलीपुर के नेतृत्व में टीम ने छापा मारकर पहले अमित (37) को उसकी किआ सोनेट कार के साथ पकड़ा। जिसके पास से हथियार और कारतूस मिले। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मकान में दबिश देकर गैंग के सरगना प्रदीप उर्फ नीतू उर्फ सहवाग (37) को दबोचा। साथ ही उसके दो साथी साहिल (26) और विकास (25) को भी पकड़ा गया। इस बीच पुलिस ने एक मॉडिफाइड काली स्कॉर्पियो, जिसे बुलेटप्रूफ बनाया गया था। इसके अलावा शॉटगन, 2 पिस्टल, 1 रिवॉल्वर, 22 जिंदा कारतूस (विभिन्न बोर), 19,78,850 नकद, 916 ग्राम सोना और 940 ग्राम चांदी, 13 लग्जरी घड़ियां, 27 मोबाइल फोन और 2 लैपटॉप (ऑनलाइन सट्टेबाजी में इस्तेमाल) और एक किआ सोनेट कार बरामद की। मुख्य आरोपित प्रदीप इलाके का 'घोषित बदमाश' है और उसके खिलाफ पहले से 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह टिल्लू गैंग का सक्रिय सदस्य है और सट्टेबाजी, फाइनेंसिंग व प्रॉपर्टी डीलिंग के जरिए नेटवर्क चला रहा था। उसके साले विकास और रिश्तेदार साहिल हरियाणा के करनाल से आकर वसूली का काम संभालते थे।

संपादकीय

टूट गई अमेरिका की आर्थिक कमर

ईरान के साथ जंग शुरू करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चौतरफा फंसते नजर आ रहे हैं। ईरान से जंग का आह्वान करने वाले ट्रंप ने दावा किया था कि यह संघर्ष केवल कुछ दिनों में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। तीन हफ्ते बीतने के बावजूद ट्रंप अपने दावे को साबित नहीं कर पाए। लेकिन इस बीच एक हैरान करने वाली यह खबर सामने आई है कि ईरान से टक्कर की अमेरिका को जहां भारी कीमत चुकानी पड़ रही है वहीं अमेरिका का सुपर पॉवर होने का गुरुर भी टूटता दिखाई दे रहा है। पहली बार अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर के पार चला गया है। यह पहला अवसर है जब यूएस इतने बड़े कर्ज के तले दबा है। फॉक्स बिजनेस की एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी कर्ज का अचानक इतना अधिक बढ़ना सरकार के बेतहाशा खर्च को दर्शाता है। अमेरिकी ट्रेंजरी विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 17 मार्च 2026 तक अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 39 ट्रिलियन डॉलर पार कर गया है। कहा जा सकता है कि यह आंकड़े अमेरिका के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। विशेषज्ञों कामानना है कि इस कर्ज के बढ़ने का मुख्य कारण है कि सरकार जितना खर्च कर रही है, उसके अनुपात में कमाई नहीं कर पा रही है। सामान्य भाषा में समझें, तो सरकार को बजट में घाटे का सामना करना पड़ता है। खर्च पूरा करने के लिए सरकार को ऋण का सहारा लेना पड़ता है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे कार्यक्रमों के लिए अमेरिकी सरकार का खर्च काफी बढ़ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़े अमेरिकियों के लिए एक चेतावनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कर्ज अगर इसी तरीके से चलता रहा, तो इस साल होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले कर्ज करीब 42 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। उन्होंने चेताया है कि जिस तरीके से ट्रंप काम कर रहे है, वह काफी लंबे समय तक नहीं चल सकता है। इसका असर यह होगा कि अगले तीन दशक तक केवल ब्याज पर ही सौ ट्रिलियन डॉलर खर्च होने की संभावना है। अब तक के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध के पहले दो हफ्तों में मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमलों से लगभग 800 मिलियन डॉलर यानी लगभग 7523.88 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस नुकसान का अधिकांश हिस्सा अमेरिका-इजरायल के युद्ध शुरू किए जाने के बाद ईरान के शुरुआती जवाबी हमले के दौरान हुआ है।

हर बूंद की पुकार: जल संरक्षण ही समाधान

विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है।

- योगेश कुमार गोयल

विश्व जल दिवस पर विशेष

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है।

विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है।

पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें।

दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्त्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं।

हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

गानों के बहाने गिरता स्तर या समाज का आईना?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आज के दौर में संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह समाज की सोच, दिशा और संस्कारों को प्रभावित करने वाली एक सशक्त शक्ति बन चुका है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संगीत की पहुँच को इतना व्यापक बना दिया है कि कोई भी गीत कुछ ही घंटों में करोड़ों लोगों तक पहुँच सकता है। ऐसे में गानों के बोल, उनकी प्रस्तुति और उनके पीछे छिपे संदेश का प्रभाव भी पहले की तुलना में कहीं अधिक गहरा और व्यापक हो गया है।

लेकिन हाल के समय में कुछ गानों की भाषा, उनके संकेत और उनकी दृश्यात्मकता जिस दिशा में बढ़ रही है, वह एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। शब्दों के चयन में बढ़ती अशालीनता, दोहरे अर्थों वाले वाक्य और भड़काऊ प्रस्तुतियाँ—ये सब मिलकर यह प्रश्न खड़ा करते हैं कि क्या हम मनोरंजन के नाम पर अपनी सांस्कृतिक मर्यादाओं को धीरे-धीरे समाप्त कर रहे हैं? या फिर यह केवल समय के साथ बदलती अभिव्यक्ति की शैली है, जिसे हमें स्वीकार करना चाहिए? अक्सर ऐसे मुद्दों पर सबसे पहले उंगली सेंसर व्यवस्था पर उठती है, विशेष रूप से Central Board of Film Certification (सीबीएफसी) पर। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि सेंसर बोर्ड की भूमिका सीमित और परिभाषित है। वह मुख्यतः फिल्मों को प्रमाणित करने का कार्य करता है। आज के डिजिटल युग में अधिकांश गाने सीधे यूट्यूब, ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचते हैं, जहाँ पारंपरिक सेंसरशिप की पकड़ लगभग समाप्त हो चुकी है। ऐसे में सेंसर बोर्ड को हर समस्या का जिम्मेदार ठहराना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक। यह भी ध्यान देने योग्य है कि डबल मीनिंग या इशारों में बात कहने की परंपरा भारतीय सिनेमा में नई नहीं है। पुराने दौर के गीतों में भी रूपकों और प्रतीकों का प्रयोग होता था, लेकिन उनमें एक सादगी, एक सौंदर्य और एक मर्यादा होती थी। वे भावों को व्यक्त करते थे, उत्तेजना को नहीं उभारते थे। आज स्थिति यह है कि संकेत इतने स्पष्ट और प्रत्यक्ष हो गए हैं कि वे कल्पना की गुंजाइश कम और भौंडेपन की संभावना अधिक पैदा करते हैं। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिकता का भी द्योतक है। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि इस बदलाव के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या केवल फिल्म निर्माता, गीतकार और कलाकार ही इसके लिए दोषी हैं? या फिर दर्शक भी इस प्रक्रिया में बराबर के भागीदार हैं? सच तो यह है कि बाजार उसी दिशा में चलता है, जहाँ मांग होती है। जब कोई गीत अपने विवादित या उत्तेजक बोलों के बावजूद करोड़ों बार देखा और सुना जाता है, तो यह केवल निर्माता की रणनीति नहीं, बल्कि दर्शकों की पसंद का भी परिणाम होता है। हम जिस प्रकार के कंटेंट को देखते, सुनते और साझा करते हैं, वही धीरे-धीरे मुख्यधारा बन जाता है। आज का दर्शक केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि कंटेंट का निर्माता और प्रचारक भी है। सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति किसी गीत को वायरल कर सकता है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यदि हम सच में बेहतर और सार्थक संगीत चाहते हैं, तो हमें अपनी पसंद और प्राथमिकताओं में बदलाव लाना होगा। केवल आलोचना करने से स्थिति नहीं बदलेगी, बल्कि सकारात्मक विकल्पों को समर्थन देना भी आवश्यक है।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार के गानों का प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ता है। वे बिना किसी समझ के इन गीतों को गुनगुनाते हैं, उनके शब्दों को दोहराते हैं और अनजाने में ही उन भावों को आत्मसात करने लगते हैं। बचपन और किशोरावस्था वह अवस्था होती है, जहाँ व्यक्ति का मानसिक और नैतिक विकास हो रहा होता है। ऐसे में यदि उनके सामने बार-बार भड़काऊ और भ्रमित करने वाली सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तो उसका प्रभाव दीर्घकालिक हो सकता है। यहाँ यौन शिक्षा के प्रश्न को भी समझना आवश्यक है। यौन शिक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जिसे वैज्ञानिक, सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से समझाया जाना चाहिए। लेकिन जब यही विषय गानों के माध्यम से भ्रामक, अशालीन और मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत होता है, तो वह शिक्षा नहीं, बल्कि विकृति और भ्रम पैदा करता है। इससे न केवल विषय की गंभीरता कम होती है, बल्कि समाज में गलत धारणाएँ भी पनपती हैं। समाधान की बात करें तो यह स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या सेंसरशिप इस समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास गवाह है कि अत्यधिक नियंत्रण अक्सर रचनात्मकता को सीमित करता है और वैकल्पिक रास्तों को जन्म देता है। आवश्यकता है संतुलन की—ऐसा संतुलन जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी बनी रहे और सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाई जाए।

इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका जागरूकता की है। दर्शकों को यह समझना होगा कि वे क्या देख रहे हैं और उसका क्या प्रभाव हो सकता है। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ संवाद स्थापित करना होगा, उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाना होगा। शिक्षण संस्थानों को भी इस विषय पर खुलकर और जिम्मेदारी के साथ चर्चा करनी चाहिए। साथ ही, कलाकारों और निर्माताओं को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझना होगा। कला केवल कमाई का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का साधन भी है। यदि वे चाहें तो मनोरंजन के साथ-साथ सकारात्मक संदेश भी दे सकते हैं। कई ऐसे उदाहरण हैं, जहाँ गीतों और फिल्मों ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। आवश्यकता है उस दिशा में प्रयास करने की। मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल लोकप्रियता और मुनाफे के आधार पर कंटेंट को बढ़ावा देने के बजाय उसकी गुणवत्ता और सामाजिक प्रभाव पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि वे चाहें तो बेहतर और सार्थक सामग्री को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

अंततः, सिनेमा और संगीत समाज का आईना होते हैं। वे वही दिखाते हैं, जो समाज में कहीं न कहीं मौजूद होता है। यदि इस आईने में हमें विकृति दिखाई दे रही है, तो इसका अर्थ यह भी है कि हमें अपने भीतर झाँकने की आवश्यकता है। केवल आईने को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। इसलिए यह समय केवल आलोचना करने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का है। हमें यह तय करना होगा कि हम किस प्रकार के समाज की कल्पना करते हैं और उस दिशा में अपने छोटे-छोटे निर्णयों के माध्यम से योगदान देना होगा। क्योंकि अंततः, समाज वही बनता है, जैसा उसका सामूहिक व्यवहार और सोच होती है। यदि हम सच में एक संवेदनशील, जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज चाहते हैं, तो हमें अपने मनोरंजन के साधनों और उनकी दिशा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। वरना वह दिन दूर नहीं, जब मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही सामग्री हमारे ही मूल्यों को चुनौती देने लगेगी।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

राम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है। कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चैदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ! कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया।

आज का इतिहास

1739 - ईरान के बादशाह नादिर शाह ने अपनी फौज को दिल्ली में नरसंहार का हुक्म दिया। इसे इतिहास में 'कत्लेआम' के नाम से जाना जाता है।

1890 - रामचंद्र चटर्जी पैराशूट से उतरने वाले पहले भारतीय व्यक्ति बने।

1894 - चटगांव विद्रोह का नेतृत्व करने वाले महान क्रांतिकारी सूर्य सेन का जन्म हुआ।

1942 - सर स्टैफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन भारत पहुंचा।

1947 - लॉर्ड माउंटबेटन आखिरी वायसराय के तौर पर भारत आए।

1964 - कलकत्ता में पहली विंटेज कार रैली का आयोजन हुआ।

1969 - भारतीय पेट्रोकेमिकल्स निगम लिमिटेड का उद्घाटन हुआ।

1977 - आपातकाल के बाद हुए आम चुनाव में कांग्रेस की जबरदस्त हार के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपा।

1993 - पहली बार विश्व जल दिवस मनाया गया।

1995 - रूसी अंतरिक्ष यात्री वालेरी पेलियाकोव साढ़े चौदह माह के रिकार्ड अंतरिक्ष प्रवास के पश्चात पृथ्वी के लिए रवाना।

1999 - भारतीय शेखर कपूर की फिल्म 'एलिजाबेथ' को सर्वश्रेष्ठ मेकअप का आस्कर पुरस्कार।

1999 - जार्डन के शाह अब्दुल्ला ने अपनी पत्नी राजकुमारी रानिया को आधिकारिक रूप से महारानी नामित किया।

2003 - पाकिस्तान सरकार ने इराक पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर सैफ सेल प्रतियोगिता स्थगित की, गठबंधन सेनाओं ने फरात नदी के किनारे पर स्थित नासिरिया शहर पर कब्ज़ा किया और बसरा की घेराबंदी कर दक्षिणी इराक में अपने आगे बढ़ने का सिलसिला जारी रखा।

2005 - हिकिपुन्ये पोहांबा ने नामीबिया के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

2007 - पाकिस्तान ने हत्फ़-7 मिसाइल का परीक्षण किया।

2010 - केरल सरकार द्वारा गठित 14 सदस्यी समिति ने कोला के पलक्कड स्थित प्लांट से पर्यावरण नुक़सान की पुष्टी करते हुए 218 करोड का हर्जाना माँगने की तथा इसके लिए क़ानूनी लड़ाई लड़ने के लिए एक प्राधिकरण के गठन की शिफारिश की।

2010 - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2020 में आज के दिन कोविड-19 महामारी के प्रकोप को देखते हुए 'जनता कर्फ्यू' लगाने का ऐलान किया था।

भविष्य की डिजिटल नींव की सुरक्षा

कृतिका शर्मा

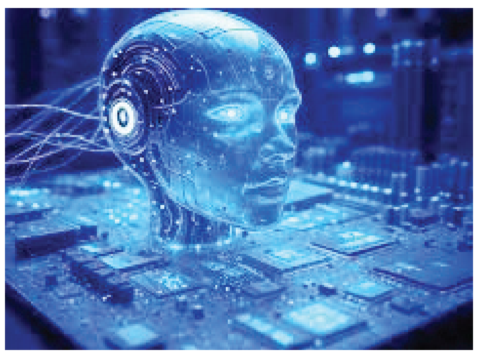

जैसे-जैसे अमेरिका और भारत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आपूर्ति शृंखलाओं, वित्तीय प्रणालियों और एआई प्लेटफ़ॉर्मों के क्षेत्र में अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं, साइबर सुरक्षा अब राष्ट्रीय सीमाओं पर नहीं रुकती। एक पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद कोई भी कमजोरी दूसरे पर प्रभाव डाल सकती है और इन प्रणालियों की सुरक्षा करना तकनीकी रक्षा के साथ ही आर्थिक मज़बूती का भी विषय है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ जेम्स ई. लेरम्स, जिन्होंने अमेरिकी विदेश विभाग के स्पीकर कार्यक्रम के तहत कोलकाता और हैदराबाद का दौरा किया, उनके लिए यह मुद्दा विश्वास से शुरू होता है- "हमें यह भरोसा होना चाहिए कि जब हम अपना क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं तो हमारे और विक्रेता या हमारे बैंक के बीच कोई भी हमारे खातों की जानकारी को बीच में रोककर डिजिटल रूप से धन गायब नहीं कर सकता।"

लेरम्स बताते हैं कि यह विश्वास ऐसे एनक्रिप्शन पर आधारित है जो आज उपलब्ध सबसे शक्तिशाली कंप्यूटरों का भी सामना कर सके। जैसे-जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग आगे बढ़ रही है, शोधकर्ता पहले से ही यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि भविष्य की प्रणालियाँ सुरक्षित बनी रहें। कई लोग अब भी साइबर सुरक्षा को एक तकनीकी विशेषज्ञता मानते हैं, लेकिन लेरम्स इस दृष्टिकोण को चुनौती देते हैं। वह कहते हैं, "अगर हमारे पास कंप्यूटर नहीं होते तो हमारे पास साइबर सुरक्षा की समस्याएँ भी नहीं होतीं, है ना?" उनका कहना है कि साइबर सुरक्षा इसलिए मौजूद है क्योंकि डिजिटल प्रणालियाँ अब दैनिक जीवन की आधारशिला बन चुकी हैं। पर्ड्यू विश्वविद्यालय में, जहाँ वह ग्रेजुएट शिक्षक सदस्य के रूप में कार्य करते हैं, साइबर सुरक्षा को एक अंतर्विषयी क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। इंजीनियर चिप फ़र्मवेयर डिज़ाइन करते हैं, नीति विशेषज्ञ गोपनीयता मानकों की जाँच करते हैं और यहाँ तक कि दार्शनिक भी डेटा उपयोग से जुड़े नैतिक प्रश्नों पर विचार करते हैं। लेरम्स कहते हैं "साइबर सुरक्षा एक टीम खेल है और यह कई विषयों में फैली हुई है।"

जोखिम केवल बैंक खातों तक सीमित नहीं हैं। आधुनिक कृषि जीपीएस-निर्देशित ट्रैक्टरों पर निर्भर करती है और जल शोधन संयंत्र इंटरनेट से जुड़े नियंत्रण तंत्रों पर निर्भर करते हैं। यदि इन प्रणालियों से समझौता किया जाता है तो खाद्य आपूर्ति बाधित हो सकती है या जल और स्वच्छता सेवाएँ विफल हो सकती हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि साइबर सुरक्षा रोज़मर्रा के जीवन को कैसे प्रभावित करती है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएँ डिजिटलीकृत होती हैं, इन प्रणालियों की सुरक्षा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने का हिस्सा बन जाती है। उभरते खतरों से आगे रहने के लिए, लेरम्स पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी नामक नए मानकों का परीक्षण करते हैं, जिन्हें क्वांटम कंप्यूटिंग के आगे बढ़ने के बावजूद सुरक्षित रहने के लिए डिज़ाइन किया गया है। लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य की सुरक्षा मज़बूत हो, बिना रोज़मर्रा के जीवन में बाधा डाले या नवाचार को धीमा किए।

लेरम्स आज के एआई परिवेश को "कुछ हद तक वाइल्ड वेस्ट जैसा" बताते हैं, जहाँ नवाचार शासन से तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह गति अवसर भी पैदा करती है और जोखिम भी। भारत और अमेरिका के लिए, साइबर सुरक्षा सहयोग एक व्यावहारिक आवश्यकता है। दोनों देश महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर का तीव्र डिजिटलीकरण कर रहे हैं और उन्नत प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। मानकों, अनुसंधान और प्रशिक्षण को मज़बूत करना जोखिम को कम करने के साथ-साथ दोनों पक्षों में आर्थिक लचीलेपन को भी सुदृढ़ करता है। लेरम्स कहते हैं, यह सहयोग "संबंधों और पारस्परिक लाभों पर आधारित है, चाहे वह संस्थानों के बीच हो या व्यक्तियों के बीच।"

अमेरिकी और भारतीय विश्वविद्यालयों के बीच आदान-प्रदान साझेदारों को छोटे, प्राप्त करने योग्य परियोजनाओं से शुरुआत करने की अनुमति देता है। वह जोड़ते हैं, "इनमें से कुछ क्षेत्रों में हमें छोटे स्तर से शुरुआत करनी होगी और उन्हें सफल बनाना होगा क्योंकि सफलता से बढ़कर कुछ भी प्रभावी नहीं होता।" ये प्रारंभिक सहयोग पूरक क्षमताओं को उजागर करते हैं। अमेरिकी संस्थान विशेष विशेषज्ञता या अनुसंधान क्षमता प्रदान कर सकते हैं, जबकि भारतीय साझेदार व्यापक पैमाने और त्वरित क्रियान्वयन की क्षमता प्रदान करते हैं। संयुक्त विद्यार्थी परियोजनाएँ और साझा अनुसंधान एजेंडा अकादमिक अंतर्दृष्टि को परिचालन प्रभाव में बदलते हैं और साइबर सुरक्षा पेशेवरों की अगली पीढ़ी को तैयार करते हैं।

सबसे मज़बूत सुरक्षा प्रणालियाँ भी व्यक्तिगत व्यवहार पर निर्भर करती हैं। अप्रत्याशित ईमेल पर सवाल उठाना और असुरक्षित नेटवर्क से बचना जैसे सरल अभ्यास, यदि लगातार अपनाए जाएँ तो सामूहिक लचीलापन बढ़ाते हैं। लेरम्स बताते हैं कि दैनिक जीवन में एआई का तेजी से एकीकरण नई चुनौतियाँ पैदा करता है, विशेषकर युवा उपयोगकर्ताओं के लिए। वह कहते हैं "युवा पीढ़ियों में पर्याप्त विवेक होना चाहिए क्योंकि एआई हमेशा सही नहीं होगा। कुछ मामलों में, उनके लिए किसी उत्तर को देखकर यह कहना कठिन होगा कि इसमें कुछ ऐसा है जो सही नहीं लगता।"

जैसे-जैसे एआई उपकरण शिक्षा, कार्यस्थलों और सार्वजनिक सेवाओं में समाहित होते जा रहे हैं, परिणामों पर प्रश्न उठाने और उनकी सीमाओं को पहचानने की क्षमता स्वयं साइबर सुरक्षा का हिस्सा बन जाती है। कोलकाता में अपनी सहभागिता के दौरान लेरम्स ने एक व्यावहारिक उदाहरण देखा- "मैंने एक स्कूल में एक दिलचस्प समाधान देखा जो एथिकल हैकिंग सिखाता है।" "वह हर महीने सुझावों के साथ एक सुंदर कैलेंडर वितरित करते हैं कि आपको अपनी साइबर सुरक्षा स्वच्छता के लिए क्या करना चाहिए।" ये अनुस्मारक सरल हैं: अज्ञात नेटवर्क से न जुड़ें, साधारण या स्पष्ट पासवर्ड का उपयोग न करें, और उपकरणों को अनलॉक छोड़ने से बचें। वह कहते हैं, "मेरा मानना है कि लोगों को इसकी याद दिलाई जानी चाहिए या कम से कम पहली बार इसके बारे में सीखना चाहिए।" ये छोटे अभ्यास एक बड़े सत्य को दर्शाते हैं: साइबर सुरक्षा की संस्कृति व्यक्ति स्तर से शुरू होती है, लेकिन संस्थानों और राष्ट्रों तक विस्तृत होती है। अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए, जो डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान साझेदारियों के माध्यम से तेजी से जुड़े हुए हैं, साइबर सुरक्षा विभिन्न क्षेत्रों और सीमाओं के पार निरंतर सहयोग है, जो विश्वास, नवाचार और आर्थिक स्थिरता को सुदृढ़ करता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

पश्चिम एशिया संकट केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय : राजनाथ सिंह

नैनीताल। हल्द्वानी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया एक संकट के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में लगातार हमले हो रहे हैं और यह केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि इस पर भारत का पक्ष साफ है कि मामला बातचीत व कूटनीति से हल किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संभावित ऊर्जा या खाद संकट से निपटने में प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। सिंह ने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सूझबूझ के आधार पर वैश्विक संकट से भारत को दूर रखा है लेकिन भविष्य में इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पैदा हुए संकट को दूर करने के लिए जो भी कोशिश की जा रही है, उसका उत्तराखंड वासियों के द्वारा भी उसका समर्थन किया जाना चाहिए। राजनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाने के साथ संवैधानिक व्यवस्थाओं पर

प्रश्न चिन्ह लगाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनाव हारती है, तब ये लोग ईवीएम को दोष देते हैं। कभी चुनाव आयोग को दोष देते हैं। ईसी से लेकर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) तक लगभग हर संस्था तब कठघरे में खड़ी कर दी गई जब उसके फैसले कांग्रेस के अनुमानों के विपरीत निकलते हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने विकास को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया है। तेजी से विकास कार्य किए हैं। धामी सरकार ने चार वर्षों में जो कार्य किए हैं, उसके आधार पर अब धामी को धाकड़ धामी नहीं बल्कि धुंरधर धामी कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य में विकास हुए हैं उसे वे उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का साधारण अध्याय नहीं मानते, बल्कि उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय मानते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को सुरक्षित रखने के साथ इसकी पवित्रता महत्वपूर्ण हैं और धामी सरकार इस दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है। अवैध घुसपैठ और अतिक्रमण के खिलाफ जो सरकार ने कार्य किए हैं वह प्रशंसनीय है। राजनाथ ने कहा कि पूरे भारत में उत्तराखंड को देवभूमि के साथ वीर भूमि के रूप में जाना जाता है।

नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्तराखंड की महिलाएं आर्दश है। उत्तराखंड की रानी कर्णावती, गौरादेवी, बछेन्द्री पाल, बसंती देवी, वंदना कटारिया को पूरा देश जानता है। केंद्रीय मंत्री ने चारधाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन, गोविन्द घाट-हेमकुंड साहिब व यमुनोत्री रोपवे, जमरानी बांध परियोजना समेत अन्य योजनाओं को उत्तराखंड के लिए वरदान करार दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के विकास को गति देने में धामी सरकार ने कोई कमी नहीं छोड़ी और यही वजह है कि अपार जन समर्थन के साथ भाजपा उत्तराखंड में तीसरी बार फिर सरकार बनाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड लगातार विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही यह राज्य देश के सबसे विकसित राज्यों में शामिल हो जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद अजय भट्ट, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया।

हल्द्वानी में राजनाथ सिंह ने धामी को बताया 'धुरंधर', कहा-छह वर्ष में छक्का भी मारेंगे

नैनीताल। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को नैनीताल जनपद के हल्द्वानी पहुंचे। यहां एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित भव्य जनसभा में लगभग 50 हजार लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल की विस्तार से सराहना करते हुए उन्हें 'धाकड़ धामी' के साथ 'धुरंधर धामी' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने धामी को 'धाकड़ धामी; कहा था, लेकिन जिस तरह उन्होंने उत्तराखंड के छठे मुख्यमंत्री के रूप में पिछले 4 वर्षों के कार्यकाल में धुंवाधार कार्य किये हैं, इसके बाद वह उन्हें 'धुरंधर धामी' कहेंगे। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत देवभूमि उत्तराखंड को नमन करते हुए की और कहा कि यह भूमि शौर्य, आध्यात्मिकता व तप के साथ सैन्य भूमि है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं राज्य के गठन के समय अल्प अवधि के लिए इस प्रदेश के भी मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए यहां की भौगोलिक व सामाजिक परिस्थितियों से भलीभांति परिचित हैं। उनके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते ही उत्तराखंड का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोग स्वभाव से शांत होते हैं, किन्तु आवश्यकता पड़ने पर अद्भुत दृढ़ता भी दिखाते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब धामी मुख्यमंत्री बने थे, तब ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया था कि इनके नेतृत्व में सरकार को स्पष्ट बहुमत मिलेगा और वही हुआ। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने धामी को 'धाकड़' कहा था, लेकिन अब उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें 'धुरंधर धामी' कहना अधिक उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि धामी राज्य के छठे मुख्यमंत्री हैं और इन्होंने चार वर्ष में चौका मार दिया है, उन्हें पूरा विश्वास है कि छह वर्ष में छक्का भी मारेंगे।

भारत की जमीन से ईरान पर हमले की अनुमति का दावा फर्जी : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल उस दावे को पूरी तरह खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका को भारत की जमीन से ईरान पर हमले के लिए अनुमति दी गई है।

मंत्रालय ने इसे भ्रामक और निराधार बताते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक फैक्ट-चेक इकाई ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी भी देश को अपनी धरती का उपयोग किसी तीसरे देश पर सैन्य कार्रवाई के लिए करने की अनुमति नहीं दी है। इस तरह की खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। विदेश मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। यह भ्रामक दावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सामने आया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने पश्चिमी भारत से ईरान पर बमबारी के लिए सैन्य संसाधनों के इस्तेमाल की अनुमति मांगी है।

इस दावे को भारत-अमेरिका के बीच हुए एलईएमओए (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ़ एग्रीमेंट) से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, एलईएमओए एक लॉजिस्टिक सहयोग समझौता है, जिस पर भारत और अमेरिका ने 2016 में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों का उपयोग ईंधन भरने, मरम्मत, रसद आपूर्ति, संयुक्त अभ्यास और मानवीय सहायता जैसे कार्यों के लिए कर सकते हैं। एलईएमओए किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई या तीसरे देश पर हमले की अनुमति नहीं देता है। यह केवल एक सहायक व्यवस्था है और इसका उपयोग पूरी तरह सहमति और जरूरत के आधार पर होता है।

भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान

भागलपुर। जिले के बिहपुर उत्तरी मंडल भाजपा के पदाधिकारियों का एनडीए कार्यालय बिहपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान शनिवार को संपन्न हुआ। उद्घाटन के बाद विषय प्रवेश दिनेश यादव और प्रथम सत्र की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ब्रजेश चौधरी और संचालन प्रो गौतम ने किया।

इस मौके पर अभय वर्मन, प्रो गौतम, संजय शर्मा नागर, रूपेश रूप, नवीन कुमार चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, धनंजय मिश्र और दिलीप कुमार चौधरी आदि ने कार्यक्रम के दौरान पांचो सत्र में क्रमवार भाजपा के वैचारिक अधिष्ठान, संगठन का इतिहास एवं विकास, कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि, कार्यपद्धति, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग तथा बूथ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प से प्रेरित एक सशक्त संगठन है।

इस मौके पर कन्हैया झा, बिक्की चौधरी, अमलेश, बासुकी झा, अपूर्व रंजन, महेंद्र त्रृषिदेव, शैलेश मिश्र, सुरेश राजपाल और अजय उर्फ माटो आदि की अहम उपस्थिति थी। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यशैली ओर जनसेवा के प्रति समर्पण को और अधिक गहराई से समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा देने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तेज आंधी में घर पर पेड़ गिरा, महिला की मौत, दो बच्चे घायल

किशनगंज। जिले के बहादुरगंज नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 16 स्थित सताल इस्तमरार गांव में शुक्रवार देर रात आई तेज आंधी ने एक परिवार पर कहर बरपा दिया। आंधी के दौरान घर के समीप स्थित एक आम का पेड़ टूटकर मकान पर गिर गया, जिससे घर में सो रही एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए। मृतका की पहचान सताल इस्तमरार निवासी तालु टुड्डू की पत्नी फूलमनी पवरडिया लगभग 32 वर्ष के रूप में हुई है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। अचानक तेज आंधी के साथ पेड़ गिरने से यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही बहादुरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, किशनगंज भेज दिया है। वहीं, घायल दोनों बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। बताया जाता है कि दोनों बच्चों की हालत अब खतरे से बाहर है। मृतका के पति ने बताया कि शुक्रवार रात भोजन करने के बाद पूरा परिवार सो गया था। इसी दौरान तेज आंधी आई और घर के पास खड़ा आम का पेड़ टूटकर घर पर गिर पड़ा, जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

सीएम ममता बनर्जी का प्रधानमंत्री पर अनुचित टिप्पणी करना अस्वीकार्य : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'घुसपैठिया' कहने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि किसी धार्मिक मंच से इस तरह की टिप्पणी करना उस मंच का दुरुपयोग है और इस पर कोलकाता खिलाफत समिति को संज्ञान लेना चाहिए।

यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब ममता बनर्जी ने कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित ईद समारोह में भाग लेते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस दौरान पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ खड़े रहने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में उनके साथ तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। भवानीपुर में चुनाव प्रचार की शुरुआत करने के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल भाजपा के नहीं बल्कि देश के

प्रधानमंत्री हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग निंदनीय है और कोलकाता खिलाफत समिति को इस पर लिखित रूप में आपत्ति दर्ज करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव की लहर चल रही है और अब इस रुझान को पलटना संभव नहीं है। इससे पहले ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के मतदान अधिकार छीनने की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप था कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जो चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि, अप्रैल में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम, केरल और पुडुचेरी में आगामी 9 अप्रैल को जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। सभी राज्यों के चुनाव परिणामों की मतगणना चार मई को की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक वाहन के खाई में गिर जाने से पंजाब के तीन पर्यटकों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चंबा जिले के डलहौजी इलाके में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से पंजाब के तीन पर्यटकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि शुक्रवार रात गांधी चौक के पास डलहौजी-करेलनु सड़क पर चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वह (वाहन) खाई में गिर गया।

पुलिस के अनुसार दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवती ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सिमरनप्रीत कौर (18), सुरिंदर (25) और सोफिया (19) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि घायलों की पहचान प्रिंस (21), सुमनप्रीत (19) और बलबीर (20) के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोगों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मदद से पुलिस दल ने बचाया।

विश्व जल दिवस पर दिल्ली में होगा सम्मेलन

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय विश्व जल दिवस (22 मार्च) के उपलक्ष्य में 23 मार्च को यहां के डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में उच्चस्तरीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस वर्ष के सम्मेलन का मुख्य विषय "जल के लिए उद्योग" होगा। मत्रालय के मुताबिक सम्मेलन का उद्घाटन सुबह 10 बजे केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल करेंगे। कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई सहित विभिन्न क्षेत्रों के 700 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उद्घाटन सत्र में डेटा-आधारित जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए कई रिपोर्ट जारी किए जाएंगे। इनमें लघु सिंचाई जनगणना (सातवीं) एवं जल निकायों की दूसरी जनगणना, देश में झरनों और प्रमुख एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की पहली जनगणना रिपोर्ट, राष्ट्रीय जल डेटा नीति तथा विभिन्न तकनीकी प्रकाशन और औद्योगिक जल उपयोग दक्षता पर सर्वोत्तम प्रथाओं का एक विशेष संकलन शामिल है। सम्मेलन के दौरान 'जल शक्ति हैकाथॉन' के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही चार विशेष तकनीकी सत्रों में कई विषयों पर चर्चा होगी। इनमें कीचड़ प्रबंधन, स्मार्ट तकनीक, जलवायु अनुकूलन, डेटा का उपयोग और उद्योगों का संकल्प शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक सम्मेलन का उद्देश्य उद्योगों को जल के जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित करना है। सत्र का समापन एक 'संयुक्त उद्योग घोषणापत्र' के साथ होगा जो सतत जल प्रबंधन के प्रति निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। उल्लेखनीय है कि विश्व जल दिवस का मुख्य लक्ष्य सतत विकास लक्ष्य 6 की प्राप्ति है ताकि 2030 तक सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके।

तमिलनाडु चुनाव: शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में रोजगार बनाम सुरक्षा बड़ा मुद्दा

शिवकाशी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तमिलनाडु के औद्योगिक शहर शिवकाशी, जिसे "कुट्टी जापान" के नाम से जाना जाता है, में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। तमाम दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। ऐसे में यह सवाल अहम हो गया है कि यहां के मतदाताओं की अपेक्षाएं क्या हैं और पिछले चुनावी वादों पर कितना अमल हुआ है।

दरअसल, शिवकाशी की पहचान देश के प्रमुख पटाखा उद्योग केंद्र के रूप में है, लेकिन यही उद्योग यहां की सबसे बड़ी चुनौती भी बन गया है। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार होने वाली दुर्घटनाएं लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। बीते वर्षों में इन हादसों में कई मजदूरों की जान जा चुकी है, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आया है। इसके अलावा, प्रदूषण, रासायनिक

कचरे का निस्तारण, मौसमी रोजगार और मजदूरों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी स्थानीय लोगों के लिए अहम मुद्दे बने हुए हैं। यहां के मतदाताओं का कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। हालांकि, यह भी सच है कि शिवकाशी रोजगार का बड़ा केंद्र है।

यहां हजारों पटाखा फैक्ट्रियों में करीब 7 लाख लोग सीधे और 3 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। इस उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। दीपावली और पंगुनी पोंगल जैसे अवसरों पर मजदूरों को विशेष बोनस भी दिया जाता है। इसके अलावा, कैलेंडर, नोटबुक और पाठ्यपुस्तकों की छपाई एवं बाइंडिंग का उद्योग भी यहां बड़े पैमाने पर संचालित होता है, जिसका वार्षिक कारोबार करीब 2,000 करोड़ रुपये है।

सूखा-प्रभावित इलाकों में किसान मुख्यतः मक्का की खेती करते हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें, तो विरुधुनगर जिले में स्थित शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अशोकन ने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की लक्ष्मी गणेशन को 17,319 मतों से हराया था। करीब ढाई लाख मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में 2021 के विधानसभा चुनाव में अशोकन को 78,947 वोट मिले थे, जबकि लक्ष्मी गणेशन को 61,628 मत प्राप्त हुए थे। तीसरे स्थान पर नाम तमिलर काची और चौथे स्थान पर अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के उम्मीदवार रहे। यह सीट विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को बढ़त मिली थी। राजनीतिक दृष्टि से अन्नाद्रमुक को इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से मजबूत माना जाता है, जिसने 1977 से अब तक करीब पांच बार जीत दर्ज की है। ऐसे में आगामी चुनाव में उसके लिए संभावनाएं बनी हुई हैं, हालांकि मुकाबला कड़ा रहने के आसार हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में नाम तमिलर काची की ओर से डायना को उम्मीदवार घोषित किया गया है, जबकि अन्नाद्रमुक, द्रमुक और तमिलगा वेत्री कषगम ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

एनबीए ने 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' पर विशेषज्ञ समिति का किया गठन

नई दिल्ली। भारत की पारिस्थितिकी और कृषि के लिए गंभीर खतरा बन चुकी 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' से निपटने के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह कदम राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त निर्देशों और पर्यावरण मंत्रालय की सलाह के बाद उठाया गया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय एनजीटी की ओर से (मूल आवेदन संख्या 162/2023) पर लिए गए स्वतः संज्ञान के बाद आया है। अधिकरण ने चिंता जताई थी कि विदेशी प्रजातियां न केवल हमारी देशी जैव विविधता को नष्ट कर रही हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, कृषि और मानव स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही हैं। इसी के मद्देनजर एनबीए को व्यापक अध्ययन और रणनीतिक योजना बनाने का निर्देश दिया गया था। इस समिति की अध्यक्षता आईएफएस (सेवानिवृत्त), पूर्व पीसीसीएफ और उत्तराखंड के वन बल प्रमुख धनंजय मोहन कर रहे हैं जबकि केरल मत्स्य एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ए. बीजू कुमार सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

इस समिति में प्रमुख मंत्रालयों और अग्रणी वैज्ञानिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रख्यात विशेषज्ञ शामिल हैं। एनबीए ने 'जैविक विविधता अधिनियम, 2002' के तहत इस समिति को कई महत्वपूर्ण कार्य सौंपे हैं। इनमें राष्ट्रीय सूची तैयार करना, जोखिम मूल्यांकन, प्रबंधन रणनीतियां और अनुसंधान और डेटा शामिल है। आक्रामक विदेशी प्रजातियां (जैसे लैंटाना, जलकुंभी आदि) भारतीय जंगलों और जल निकायों को तेजी से निगल रही हैं। इस समिति का दो वर्ष का कार्यकाल भारत की वैश्विक जैव विविधता प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और देश के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह 'समग्र सरकारी दृष्टिकोण' न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि किसानों की आय और ग्रामीण आजीविका को भी सुरक्षित करेगा।

उत्तर प्रदेश में हर्षोल्लास से मनाई गई ईद, मस्जिदों-ईदगाहों में अमन-चैन की दुआ

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी समेत राज्यभर की ईदगाहों और मस्जिदों में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और नमाज अदा की गई। संभल, कौशांबी, देवरिया और अमेठी समेत विभिन्न जिलों से त्योहार उल्लासपूर्वक मनाया गया। लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह में मुख्य नमाज हुई, जहां बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अगुवाई में नमाज अदा की गई और देश में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए दुआ की गई।

ऐशबाग ईदगाह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी तथा कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर अमन-चैन की दुआ की। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने भी ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। जानकारों के अनुसार, सुन्नी समुदाय के नमाजियों ने ऐशबाग ईदगाह और टीले वाली मस्जिद (चौक) में नमाज अदा की, जबकि शिया समुदाय के लोगों ने आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) और ठाकुरगंज स्थित

जामा मस्जिद में नमाज पढ़ी। संभल जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। 30 दिन के रोजे के बाद शाही जामा मस्जिद और ईदगाह में भारी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा कर देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ मांगी। सपा नेता फिरोज खान ने ईदगाह पहुंचे नमाजियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया और नवरात्र के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं पर भी पुष्पवर्षा कर प्रेम और भाईचारा बढ़ाने की बात कही। सिरसी कस्बे में कुछ लोगों ने ईरान पर अमेरिका के हमले के विरोध में बाहों पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की।

संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जिले में 765 मस्जिदों और 117 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान वर्क ने सिरसी में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करने के सवाल पर कहा कि शांतिपूर्ण विरोध उनका अधिकार है।

कौशांबी जिले में अकीदत के साथ ईद मनाई गई और ईदगाहों में हजारों हाथ अमन-चैन के लिए दुआ में उठे। मुख्य नमाज मंझनपुर स्थित शाही ईदगाह में अदा की गई। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुस्तैद रही। देवरिया जिले में भी ईद-उल-फितर उल्लासपूर्वक मनाया गया। शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सतर्क रहा। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल और पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने कोतवाली क्षेत्र स्थित मालवीय रोड ईदगाह, जामा मस्जिद सहित अन्य प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। अमेठी जिले में ईद का त्योहार भाईचारे के माहौल में मनाया गया।

कड़े सुरक्षा इंतजाम और ड्रोन कैमरों की निगरानी में 117 मस्जिदों और 110 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। जिलाधिकारी संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक सरवणन टी जायस ईदगाह में मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के साथ लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं।

ड्रोन की निगरानी में हुई ईद की नमाज

मुरादाबाद। ईद-उल-फितर (ईद) का त्योहार शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा हैं। इस दौरान जिले में शाही ईदगाह पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने ईद की नमाज अदा की। ईदगाह में नायब शहर इमाम मुफ्ती फहाद अली ने नमाज अदा कराई। नमाज के दौरान चप्पे-चप्पे पर ड्रोन से निगरानी की गई। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जिलेभर में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद रहे। शहर से लेकर देहात तक शनिवार को ईद-उल-फितर पूरे जोश और अकीदत से मनाया जा रहा है। ईदगाह सहित शहर की सभी मस्जिदों में नमाज के बाद मुल्क में अमन और इत्तेहाद की दुआ की गई। ईदगाह में सुबह नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दीं व खुशियां बांटी। इस मौके पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखा गया। शनिवार सुबह 6:40 बजे से ईद की नमाज का सिलसिला शुरू हुआ, जो 10 बजे तक चला। ईद की सबसे बड़ी नमाज आदर्श नगर स्थित ईदगाह पर अदा की गई। यहां सुबह से ही लोग पहुंचने शुरू हो गए थे। शहर के तमाम इलाकों के अलावा देहात क्षेत्र से भी लोग नमाज अदाएगी के लिए यहां एकत्र हुए थे। कड़ी सुरक्षा के बीच ईद मनाई गई। आदर्श नगर स्थित ईदगाह क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर ड्रोन से नजर रखी गई। इस दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे। जिलाधिकारी अनुज सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, एडीएम सिटी ज्योति सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विनय पांडे, क्षेत्राधिकारी सुनीता ढहिया सहित विभिन्न पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी सुबह ही ईदगाह पहुंच गए थे। मिश्रित आबादी वाले इलाको में भी भारी पुलिस, पीएसी के जवान तैनात रहे। सुबह पांच बजे से ही पुलिस, पीएसी अन्य सुरक्षा बल भ्रमण पर रही। ड्रोन से निगरानी रखी गई।

अमेठी में काली पट्टी बांधकर अदा की गई ईद की नमाज

अमेठी। एक तरफ जहां पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ ईद मनाई जा रही है। वही, अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के भनौली गांव में शनिवार को ईद की नमाज ग़मगीन माहौल के बीच अदा की गई। गांव स्थित जामा मस्जिद इमामबाग में सुबह 9 बजे शिया मुस्लिम समुदाय ने नमाज पढ़ी, जिसमें लोगों ने काली पट्टी बांधकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली ख़ामेनई की शहादत की याद में इस बार शिया समुदाय ने ईद सादगी के साथ मनाने का निर्णय किया। इसी के तहत लोगों ने नए कपड़े न पहनकर सादगी अपनाई और पारंपरिक उत्सव से दूरी बनाई। नमाज की इमामत पेश इमाम मौलाना गौहर अब्बास ने की और खुतबा दिया। अपने संबोधन में उन्होंने अयातुल्लाह अली ख़ामेनई के विचारों और संदेशों को साझा करते हुए अमेरिका और इजराइल की नीतियों का विरोध जताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोवर्धन के दानघाटी मंदिर में की पूजा-अर्चना

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन शनिवार को मथुरा के गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने गिरिराज जी महाराज की आरती में भाग लिया और गोवर्धन परिक्रमा भी की। उन्होंने मंदिर में गिरिराज जी का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दानघाटी मंदिर के रिसीवर दीप चंद्र कौशिक ने बताया कि "गिरिराज धारण की जय" सहित अन्य मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति ने 11 किलो दूध, दही, शहद, घी और बूरा से महाभिषेक किया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति को गिरिराज जी महाराज की चांदी की प्रतिमा, एक पटका और प्रसाद भेंट किया गया। आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग की ब्रजभूमि से जुड़ी तीन प्रमुख धरोहरें—गिरिराज जी, ब्रजभूमि और यमुना महारानी—आज भी विशेष धार्मिक महत्व रखती हैं। राष्ट्रपति ने गोवर्धन पहुंचकर अभिषेक और परिक्रमा कर दानघाटी मंदिर के सेवायत जी.के. पुरोहित से आशीर्वाद प्राप्त किया। दानघाटी मंदिर में प्रार्थना करने के बाद, राष्ट्रपति ने वैदिक मंत्रों और जयकारों के बीच गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा शुरू की। मंदिर सेवक पवन कौशिक ने बताया कि राष्ट्रपति मार्ग में श्रद्धालुओं को देखकर मुस्कुराती और हाथ हिलाती

नजर आईं। उन्होंने पहले लगभग 200 मीटर पैदल चलकर शेष परिक्रमा 'गोल्फ कार्ट' में पूरी की। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राज्य सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और संदीप सिंह उनके साथ रहे। इस मौके पर परिक्रमा मार्ग को रंगोली से सजाया गया था। गोवर्धन में मानसी गंगा के पास स्थित मुकुट मुखरबिंद मंदिर में राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत किया गया।

अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान, उन्होंने फूल और नारियल अर्पित किए और मानसी गंगा की आरती की। मंदिर सेवक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि मंत्रों के उच्चारण के बीच, उन्होंने देवी को दूध और जल भी अर्पित किया और भोग प्रसाद के रूप में रबड़ी भी दी। संतों द्वारा शहनाई, ढोल और नगाड़ा जैसे वाद्ययंत्रों पर पारंपरिक भजन बजाए गए, जिससे वातावरण और भक्तिमय हो गया। राष्ट्रपति ने गोवर्धन में बरगद का पौधा भी लगाया और परिक्रमा मार्ग पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे बच्चों से बातचीत की। छात्रों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्प होली और मयूर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी राष्ट्रपति ने सराहना की।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, मुर्मू दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मथुरा सांसद हेमा मालिनी, राज्यसभा सदस्य तेजवीर सिंह और अन्य जन प्रतिनिधि उन्हें विदाई देने के लिए हेलीपैड पर उपस्थित थे। राष्ट्रपति मुर्मू का उत्तर प्रदेश दौरा बृहस्पतिवार, 19 मार्च को अयोध्या से शुरू हुआ था। उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर दर्शन-पूजन किया और इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा-वृंदावन पहुंचीं। अपने दौरे के दौरान वह लगातार विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुई।

जीव सृष्टि के लिए वन संरक्षण आवश्यक : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित अरण्य समागम 'वन एवं अर्थव्यवस्थाएं' विषयक राष्ट्रीय वानिकी संवाद का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के वन मंत्री डा.अरूण कुमार सक्सेना व वन राज्यमंत्री के.पी.मलिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री व अन्य मंचस्थ अतिथियों ने काफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

वानिकी संवाद में देश के विभिन्न हिस्सों से आये वनाधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीव सृष्टि के लिए वन संरक्षण व वन आच्छादन को बढ़ावा देना आवश्यक है। हर एक व्यक्ति ने प्रकृति के दुष्परिणामों को झेला है। धरती हमारी माता है हम सब इसके पुत्र हैं। मां के सम्मान में कोई खिलवाड़ न हो।

इसलिए वन संरक्षण के लिए प्रयास करें और हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ अवश्य लगायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम चक्र में बदलाव हुआ है। यह नई चेतावनी है। वन प्रकृति के संतुलन का आधारफॉरेस्ट एंड इकोनॉमिक्स इस वर्ष की थीम है। सुरक्षा के मुद्दे पर हम लोगों ने बजट बढ़ाया है। सामाजिक वानिकी के लिए 800 करोड़ दिए हैं। वानिकी विश्वविद्यालय के लिए 50 करोड़ रूपये उपलब्ध कराया है। जटायु संरक्षण केन्द्र के लिए गोरखपुर में केन्द्र बनाया है।

नेट कार्बन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में एक पालिसी बनी है। अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही है। विरासत वृक्ष घोषित करने की कार्यवाही चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन आच्छादन बढ़ना सुखद अनुभूति कराता है। 50 करोड़ वृक्षारोपण के लिए हमारे पास नर्सरी मौजूद है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की वैदिक कालीन परम्परा से लेकर वर्तमान की चुनौतियों के समय प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ के कारण हो रहे दुष्परिणाम को झेला है। धरती हमारी माता है। हम सब इसके पुत्र हैं। हर पुत्र का मां के प्रति क्या दायित्व होता है। उसके सम्मान व सुरक्षा में उसके संरक्षण में दुनिया के हर नागरिक को यह सोचना चाहिए कि उसके स्तर पर किये जाने वाले प्रयास में कहां चूक हुई है।

वन जीवन का आधार व प्रकृति के संतुलन का आयाम प्रस्तुत करता है। वन है तो जल है। वन व जल है तो वायु है। वायु है तो जीवन है। जीवन की कल्पना इसके बगैर नहीं कर सकते।

पुलिस टीम पर हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

बलिया। जिले में विवाद की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर कथित रूप से हमला किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नरही थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी राघवेंद्र रस्तोगी ने शुक्रवार सुबह सूचना दी कि उसके पिता के साथ दो लोग मारपीट कर रहे हैं जिसके बाद तीन पुलिसकर्मी शैलेन्द्र कुमार, सुनील कुमार और रामभजन यादव सरकारी वाहन से मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास करने लगे।

उसने बताया कि इसी दौरान कोटवा नारायणपुर गांव के अरुण राय (51) और अमित राय (32) पुलिसकर्मियों से उलझ गए और उनके साथ कथित तौर पर मारपीट करने लगे। पुलिस का आरोप है कि आरोपियों ने आरक्षी शैलेन्द्र कुमार का गला दबाया और ईंट-पत्थर से हमला किया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। हमलावरों ने पुलिस के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और घटना को अंजाम देने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि आरक्षी शैलेन्द्र की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को नसीरपुर मढ़-उजियार मार्ग से गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से दो देसी तमंचे व दो कारतूस बरामद किए गए हैं। घटना से संबंधित एक वीडियो शुक्रवार से सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें दो लोग पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं।

आईपीएल शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम राम लला के दरबार पहुंची

अयोध्या। आईपीएल शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम शनिवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पहुंचकर राम लला के दरबार में दर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन के लिए कामना किया। टीम 20 सदस्यीय है।

दर्शन करने पहुंची टीम का मंदिर में मंदिर व्यवस्था से जुड़े गोपाल राव, पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर टीम के मालिक संजीव गोयनका भी मौजूद रहे। सभी ने राम मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की। सभी ने आगामी सीजन में बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की। टीम के कप्तान ऋषभ पंत और टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भगवान श्री राम के चरणों में मत्था ठेका है।

क्रिकेट खेलते समय छात्र की मौत, दिल का दौरा पड़ने की आशंका

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में शुक्रवार को क्रिकेट खेलते समय बीएससी के एक छात्र की अचानक मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि परिजन मौत की वजह दिल का दौरा मान रहे हैं और ईद से ठीक पहले हुई इस घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, हरहरपुर मटकली गांव निवासी 22 वर्षीय शाकिब दिल्ली में रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रहा था और वह ईद मनाने करीब सात दिन पहले अपने घर आया था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे शाकिब अपने दोस्तों के साथ गांव के ईदगाह के पास मैदान में क्रिकेट खेल रहा था और इसी दौरान वह अचानक जमीन पर गिर पड़ा तथा उसकी सांस फूलने लगी।

पुलिस के मुताबिक, परिजन और दोस्त उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

होटल में जहरीला पदार्थ खाकर युवक और नाबालिग ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक युवक और नाबालिग लड़की ने एक होटल में कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 26 वर्षीय युवक और करीब 16 वर्षीय लड़की पिछले दो दिनों से अपने घर से लापता थे।

पुलिस ने बताया कि लड़की के पिता ने युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था और दोनों ही एक ही संप्रदाय के थे तथा मुजफ्फरनगर जिले के बुढाना थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, अजमल अपने फुफेरे भाई रिजवान के संपर्क में वीडियो कॉल के जरिए था और कॉल के दौरान ही उसने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का एक पैकेट दिखाया हालांकि रिजवान के बार-बार रोकने की

गुजारिश के बावजूद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि रिजवान ने तुरंत परिवार वालों को सूचना दी, जो शुक्रवार शाम को होटल पहुंचे और दोनों को बेहोशी की हालत में पाया।

पुलिस के अनुसार, दोनों को तुरंत रामपुर मनिहारान स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां से उन्हें शामली के एक उच्च चिकित्सा केन्द्र भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि शामली के एक निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, जहां लड़की के पिता ने अपहरण की प्राथमिकी में अपनी बेटी की उम्र 14 साल बताई, वहीं अजमल के परिवार ने दावा किया कि वह 18 साल की थी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और मृतक की उम्र की पुष्टि की जा रही है।

नानौता थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) नवीन कुमार ने बताया कि मुजफ्फरनगर जिले का रहने वाला अजमल (26) अपने साथ लड़की को लेकर दो दिन पहले नानौता के एक होटल में आया था, जहां उसने अपना आधार कार्ड देकर कमरा लिया था। कुमार ने बताया कि वहीं लड़की के पिता ने अजमल पर बहला फुसलाकर लड़की को भगा ले जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में जांच कर रही है।

घर से भागे प्रेमी युगल ने मंदिर में रचाई शादी, वीडियो वायरल

उरई। जनपद के एट कोतवाली क्षेत्र में शादी के लिए परिवार की रजामंदी न होने पर प्रेमी जोड़े ने मंदिर में शादी कर ली। अब इसका वीडियो शनिवार को वायरल हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने दोनों परिवार को बुलाकर समझौता करा दिया है।

कोतवाल विजय पांडे ने बताया कि सिरसा कलार निवासी कीर्ति कठेरिया (20) और अमन कठेरिया (24) ने घर से भागकर कोर्ट मैरिज कर ली हैं। 19 मार्च को दोनों ने एट क्षेत्र के ग्राम बिलायां स्थित शिव मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह रचाया, जिसका अब वीडियो भी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हो रहा है। लड़की और लड़का एक ही जाति और गांव के हैं। लंबे समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे, लेकिन परिजन इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थे, जिसकी वजह से दोनों ने यह कदम उठाया। मंदिर में हुई शादी का वीडियो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

प्रेमी युगल का कहना है कि वे साथ रहना चाहते थे। अपने रिश्ते को सामाजिक मान्यता दिलाने के लिए उन्होंने मंदिर में विवाह किया। कोर्ट मैरिज पहले ही कर ली है। इस मामले में कुछ लोग इसे सच्चे प्रेम की जीत बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे सामाजिक परंपराओं के खिलाफ मान रहे हैं। इस संबंध में कोतवाल का कहना है कि दोनों परिवार के लोगों को थाने बुलाकर समझाया गया है। दोनों परिवारों में रजामंदी के साथ समझौता हो गया है।

वर्ल्ड कप खेलकर ननिहाल पहुंचीं वैष्णवी शर्मा का भव्य स्वागत

उरई। क्रिकेटर वैष्णवी शर्मा शनिवार को उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद के ग्राम मिझौना स्थित अपने ननिहाल पहुंचीं तो यहां उनका भव्य स्वागत हुआ। वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद जब वैष्णवी अपने ननिहाल पहुंचीं तो पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ ग्रामीणों ने अपनी बेटी का जोरदार स्वागत किया।

ननिहाल पहुंचकर वैष्णवी ने अपने नाना हनुमान प्रसाद बदल, नानी राम जानकी, पिता नरेंद्र शर्मा, मां आशा शर्मा, मामा अंजनी बदल, मौसी कंचन और प्रेमलता से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान परिवार के सभी सदस्यों की आंखों में गर्व और खुशी साफ झलक रही थी। पत्रकारों से बातचीत में वैष्णवी शर्मा ने कहा कि मैंने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

कठिन मेहनत और परिवार के सहयोग से ही आज यह मुकाम हासिल कर पाई हूं। गांव के लोगों का कहना है कि वैष्णवी आज पूरे क्षेत्र की प्रेरणा बन चुकी हैं। बच्चों और युवाओं के लिए वह एक मिसाल हैं कि अगर मेहनत और जुनून हो तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। उल्लेखनीय है कि वैष्णवी की इस उपलब्धि से जालौन ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ा है। अब हर किसी को उनकी अगली उपलब्धियों का बेसब्री से इंतजार है।

संक्षिप्त खबरें

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 खेलेगा भारत : BCCI

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों मैच बेलफास्ट में होंगे जहां भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, '' टीम इंडिया दो मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये जून 2026 में आयरलैंड जायेगी।'' उन्होंने कहा, ''पिछले आठ साल में भारतीय टीम ने तीन बार (2018, 2022 और 2023) आयरलैंड का दौरा किया है। बेलफास्ट में भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी।'' इससे दो दिन पहले आयरलैंड के हाई परफार्मेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की थी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के बाद इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी।

हीरो इंडियन ओपन 2026 में शीर्ष 100 में से पांच खिलाड़ी, रिकॉर्ड ईनामी राशि

गुरुग्राम। दुनिया के शीर्ष सौ खिलाड़ियों में से पांच और विश्व टूर के कई पूर्व चैम्पियन हीरो इंडियन ओपन 2026 में भाग लेंगे जो 26 से 29 मार्च तक डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब पर खेला जायेगा। इनमें विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज और पीजीए टूर पर हाल ही में जीत दर्ज करने वाले अक्षय भाटिया और 2018 ओपन चैम्पियन और तीन बार के राइडर कप विजेता इटली के फ्रांसिस्को मोलिनारी शामिल हैं। भाटिया के अलावा शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों में कासे जार्विस (69), एलिस्स स्माइली (74), डेविड पुइग (85) और ट्रिस्टन लॉरेंस (89) शामिल हैं। भारतीयों में दो बार के डीपी विश्व टूर विजेता शुभंकर शर्मा, 2025 पीजीटीआई आर्डर आफ मेरिट विजेता युवराज संधू, मनु गंडास, ओमप्रकाश चौहान और वीर अहलावत शामिल हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन द्वारा सह मान्यता प्राप्त और डीपी विश्व टूर का हिस्सा इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 2 . 55 मिलियन डॉलर ईनामी राशि है।

ओलंपिक चैंपियन कैमरन मैकएवॉय ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल विश्व रिकॉर्ड बनाया

शेनजेन (चीन)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को शेनजेन में चाइना ओपन में 20.88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0.03 सेकंड कम है।

सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20.91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

IPL : विराट कोहली ने RCB के खिलाड़ियों को दी चेतावनी

इस सीजन चुनौतियां और ज्यादा कठिन

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने साथियों को आगाह किया है कि इस सीजन में टीम के सामने चुनौतियां और ज्यादा कठिन होने वाली हैं। आरसीबी, जिसने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, 28 मार्च को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स से घरेलू मैदान पर भिड़ेगी।

शनिवार को आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना पहला अभ्यास सत्र किया। इस दौरान कोहली ने खिलाड़ियों के एक छोटे समूह से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले दो-तीन सीजन की कड़ी मेहनत के बाद टीम ने जो हासिल किया, उसे बनाए रखना और संतोष नहीं करना होगा क्योंकि बाकी टीमें उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। कोहली ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे शुरुआत से ही पूरी गंभीरता दिखाएं। उन्होंने कहा, "हम इन दिनों को बेकार नहीं जाने दे सकते। हमें हर सत्र में अपना 120 प्रतिशत देना होगा और एक भी मिनट की बर्बादी नहीं करनी चाहिए।" टीम के नए खिलाड़ियों का स्वागत हेड कोच एंडी फ्लावर ने किया, जिसके बाद कोहली ने सभी को प्रेरित किया।

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। आरसीबी ने वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल और सात्विक देसवाल जैसे खिलाड़ियों को शामिल कर टीम को और मजबूत किया है। कोच फ्लावर ने टीम संयोजन पर संतोष जताते हुए कहा कि इस बार स्क्वाड पहले से ज्यादा संतुलित है। विराट कोहली और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिये यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नयी चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतना चाहेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।

मियामी ओपन: अल्कराज और साबालेंका ने जीते अपने शुरुआती मुकाबले, रुड बाहर

मियामी। मियामी ओपन 2026 में शुक्रवार को हुए मुकाबलों में पुरुष और महिला वर्ग के शीर्ष खिलाड़ियों ने जीत के साथ शानदार शुरुआत की, जबकि एक बड़े उलटफेर में नॉर्वे के कैस्पर रुड को हार का सामना करना पड़ा।

कार्लोस अल्कराज ने आसानी से बनाई तीसरे दौर में जगह विश्व नंबर एक स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अल्कराज ने दोनों सेट में शुरुआती बढ़त बनाकर मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने सामने आए सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। अब उनका अगला मुकाबला अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा से होगा। महिला वर्ग में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने अमेरिका की ऐन ली को 7-6, 6-4 से हराकर अपने खिताब बचाने के अभियान की सफल शुरुआत की। अमेरिका की कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए एलिसाबेट्टा कोच्चियारेत्तो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया।

वहीं अमांडा एनीसिमोवा ने अजला टोमल्यानोविच को 6-1, 5-7, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका के ईथन क्विन ने कैस्पर रुड को 6-4, 7-6 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। जापान के साकामोटो ने अलेक्जेंडर कोवाचेविच को हराकर अपने करियर की पहली बड़ी जीत दर्ज की। साकामोटो का अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा, जिससे एक और रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

चेन्नईयिन एफसी अपने पहले घरेलू मैच में एफसी गोवा से भिड़ेगा

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को यहां इंडियन सुपर लीग के अपने पहले घरेलू मैच में पांचवें स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इमरान खान के पहले गोल ने चेन्नईयिन को इस सत्र की पहली जीत दिलाई थी। क्लब के मुख्य कोच क्लाईफोर्ड मिरांडा ने कहा, "मैं अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करूंगा, लेकिन हम एक टीम और एक समूह के तौर पर प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश करते हैं।

आकाशदीप पीठ की चोट के कारण आईपीएल से बाहर

कोलकाता। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को शनिवार को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए। आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उभर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।'' इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया। सूत्र ने कहा, "पूरी तरह से फिट होकर वापसी करने में काफी समय लगेगा। इस तरह की चोट में फिट होने के लिए लगभग 10 सप्ताह का समय लगता है। लेकिन इस मामले में इससे भी अधिक समय लग सकता है।" आकाशदीप तीन बार के चैंपियन केकेआर की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में नया नाम है। इस सूची में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंकाई खिलाड़ी मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिससे टीम का तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर पड़ गया है।

आकाशदीप और राणा की अनुपस्थिति में केकेआर को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और फिट होकर वापसी करने वाले उमरान मलिक पर निर्भर रहना पड़ेगा। राणा पहले ही आईपीएल से बाहर हो गए थे। बीसीसीआई के निर्देश के बाद इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करना पड़ा, जिसके बाद केकेआर ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को टीम में शामिल किया। केकेआर ने तेज गेंदबाजी विभाग में विकल्पों की तलाश शुरू कर दी है।

अर्जेंटीना विश्व कप से पहले ज़ाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ 'फाइनलिसिमा' और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबॉल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था।

हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो

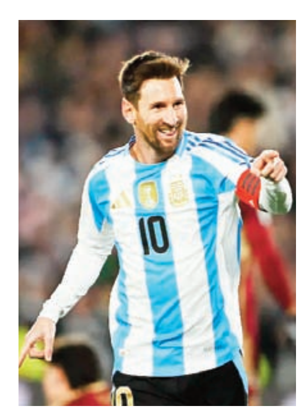

अलग-अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती। इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबॉल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई।

ब्राजील के गोलकीपर एलिसन मार्च में होने वाले ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से बाहर

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार गोलकीपर एलिसन बेकर चोट के कारण मार्च में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से बाहर हो गए हैं। इस बात की पुष्टि ब्राजीलियन फुटबॉल फेडरेशन ने शुक्रवार को की। ब्राजील को 26 मार्च को फ्रांस फुटबॉल टीम और 31 मार्च को क्रोएशिया फुटबॉल टीम के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, जो

क्रमशः बोस्टन और ऑरलैंडो में आयोजित होंगे। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने गुरुवार को घोषित टीम में एलिसन को शामिल किया था, लेकिन अब उनकी जगह ह्यूगो सूजा को टीम में शामिल किया गया है। 33 वर्षीय एलिसन अपने क्लब लिवरपूल एफसी के लिए भी अगला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। शनिवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ होने वाले मैच में उनकी जगह जॉर्जी मामार्दाशविली के गोलकीपिंग करने की संभावना है। इस सीजन में एलिसन लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। वह 10 मार्च को यूईएफए चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ-16 के पहले लेग में गालातासराय के खिलाफ मुकाबले में भी नहीं खेल पाए थे, हालांकि उससे पहले के दो मैचों में उन्होंने हिस्सा लिया था। इसके अलावा हैमस्ट्रिंग चोट के चलते वह अक्टूबर से नवंबर के बीच लिवरपूल के आठ मैचों से भी बाहर रहे थे। फिलहाल प्रीमियर लीग में लिवरपूल 49 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और टॉप-4 में जगह बनाने की जंग लड़ रहा है।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "कोयला क्षेत्र में सभी हितधारकों के अमूल्य योगदान के साथ, देश ने लगातार दूसरे साल 20 मार्च, 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।" अधिकारियों ने कहा कि उच्च और निरंतर कोयला उत्पादन से देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिली है। इससे बिजली क्षेत्र को कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में रिकॉर्ड कोयला भंडार बनाए रखने में भी मदद मिली। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रदर्शन कोयला मूल्य श्रृंखला में मजबूत योजना, कुशल निष्पादन और कड़े समन्वय को दर्शाता है, और देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह एक स्थिर, पारदर्शी और प्रदर्शन आधारित परिवेश विकसित करने पर जोर दे रहा है।

वेदांता ने 2025-26 में अपने परिचालनों में 8.5 करोड़ घन मीटर पानी का पुनः उपयोग किया

नई दिल्ली। देश की प्रमुख धातु और खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक अपने विभिन्न परिचालनों में 8.5 करोड़ घन मीटर से अधिक पानी का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब वर्ष 2030 तक पानी की 40 प्रतिशत कमी की वैश्विक चेतावनी दी जा रही है। कंपनी ने यह जानकारी 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस से एक दिन पहले दी। कंपनी ने कहा कि वह जल संकट से जूझती दुनिया में जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वेदांता लिमिटेड ने बयान में कहा कि बदलती जलवायु और बढ़ती मांग के कारण बढ़ते जल संकट के बीच वेदांता जिम्मेदार जल प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्ध है। वेदांता ने बताया कि उसने अपने औद्योगिक परिचालनों में उन्नत उपचार और पुनः उपयोग प्रणालियों के जरिए जल प्रबंधन को लगातार मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कंपनी ने 31 प्रतिशत जल पुनर्चक्रण दर हासिल की है, जो जल-प्रधान उद्योगों में उच्च स्तरों में गिनी जाती है।

सरकार ने घरेलू उत्पादन बढ़ने के बीच वाणिज्यिक LPG आवंटन 50% तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन मंजूर किया है, जिससे कुल आवंटन 50 प्रतिशत हो गया है। घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। पश्चिम एशिया में तीन सप्ताह से जारी युद्ध के कारण भारत को ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आई। इसके कारण पहले होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति घटा दी गई थी ताकि घरेलू रसोई के लिए गैस उपलब्ध रहे। बाद में उनके आपूर्ति का पांचवां हिस्सा बहाल किया गया और सरकार ने अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन की पेशकश की थी, यह शर्त रखते हुए कि राज्य पाइप्ड गैस परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें।

शनिवार को सरकार ने रेस्तरां, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, सामुदायिक रसोई और सब्सिडी वाले खाद्य केंद्रों के लिए एलपीजी का 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन करने की घोषणा की। साथ ही सरकार ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को लक्षित वितरण के माध्यम से सहायता भी प्रदान की जाएगी। तेल सचिव द्वारा राज्यों को लिखे गए पत्र के अनुसार,

यह अतिरिक्त एलपीजी आवंटन उन वाणिज्यिक संस्थानों को मिलेगा जिन्होंने तेल कंपनियों के साथ पंजीकरण कराया हो और पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए आवेदन किया हो। सरकारी बयान में कहा गया कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास किसी प्रकार की कमी नहीं है और वितरण कार्य सामान्य रूप से जारी है। घबराहट में किए जाने वाले एलपीजी बुकिंग अब कम हो गई है, और नागरिकों को भीड़ इकट्ठा करने से बचने और होम डिलीवरी पर निर्भर रहने की सलाह दी गई है।

आपूर्ति संबंधी दबाव को कम करने के लिए, सरकार पीएनजी की आपूर्ति को बढ़ावा दे रही है, विशेष रूप से वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए, और राज्यों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है। इसके समानांतर, सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल भंडार के साथ उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। सरकार आपूर्ति पर दबाव कम करने के लिए पीएनजी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है, खासकर वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए, और राज्यों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क के अनुमोदन में तेजी लाने को कहा है। इसके साथ ही, सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल भंडार के साथ पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं, ताकि पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

सरकार ने कहा कि खुदरा दुकानों पर ईंधन की कमी की कोई सूचना नहीं मिली है और जनता को घबराकर खरीदारी न करने की सलाह दी गई है। सरकार ने अतिरिक्त उपायों के तहत घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया है, बुकिंग अंतराल बढ़ाए हैं और राज्यों को अतिरिक्त केरोसिन आपूर्ति आवंटित की है ताकि वैकल्पिक ईंधन विकल्प उपलब्ध हो सकें। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक देशभर में 3,500 से अधिक छापेमारी की गईं, जिससे लगभग 1,400 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू ने 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए शनिवार को 54,928 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। अपना चौथा बजट पेश कर रहे सुक्खू ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने से वार्षिक बजट प्रभावित हुआ है और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य के हितों का समर्थन नहीं करने का आरोप लगाया। सुक्खू ने कहा, "विपक्षी भाजपा इस कठिन समय में राज्य के साथ खड़ी नहीं हुई और इतिहास उसे कभी माफ नहीं करेगा।" भाजपा सदस्यों ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए इस भाषा पर आपत्ति जताई और सदन के बीचोंबीच आकर नारेबाजी की। नारेबाजी जारी रहने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे तक स्थगित कर दी जिसके बाद भाजपा सदस्य सदन से बाहर चले गए लेकिन कांग्रेस के विधायक अपनी सीटों पर बैठे रहे। कुछ मिनट बाद भाजपा सदस्य लौटे और नारेबाजी जारी रखी, जबकि मुख्यमंत्री बजट भाषण देते रहे। सुक्खू ने कहा कि दुनिया भर में जारी संघर्षों का असर अब राज्य पर भी पड़ने लगा है तथा अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण एलपीजी की कीमतें बढ़ रही हैं।

टॉरेंट, एल्केम, यूएसवी ने पेटेंट खत्म होने के बाद सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक रूप पेश किए

नई दिल्ली। देश की प्रमुख दवा कंपनियों टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स, एल्केम लैबोरेटरीज और यूएसवी लिमिटेड ने शनिवार को सेमाग्लूटाइड आधारित मधुमेह उपचार की जेनेरिक दवाएं बाजार में उतारने की घोषणा की। टॉरेंट फार्मा ने 'सेम्बोलिक' और 'सेमालिक्स' नाम से दवाएं पेश की हैं, जो टेबलेट और इंजेक्शन दोनों रूपों में उपलब्ध हैं। कंपनी ने कहा कि इससे मरीजों को किफायती इलाज का विकल्प मिलेगा। एल्केम लैबोरेटरीज ने 'सेमासाइज', 'ओबेस्मा' और 'हेपाग्लाइड' नाम से सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन बाजार में उतारा है। कंपनी ने बताया कि उसे भारत के औषधि महानियंत्रक से इस दवा के निर्माण और बिक्री की मंजूरी मिल चुकी है। यह दवा टाइप-2 मधुमेह और वजन नियंत्रण में आहार और व्यायाम के साथ उपयोग की जाती है। यूएसवी लिमिटेड ने डॉ. रेड्डीज के साथ मिलकर 'यूसेमा' नाम से इंजेक्शन पेश किया है, जो टाइप-2 मधुमेह के इलाज में उपयोगी है। इन दवाओं को ऐसे समय में पेश किया गया है जब देश में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से प्रभावित हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड आधुनिकीकरण भारत-अफ्रीका सहयोग की कुंजी: मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण और संस्थागत क्षमता भारत-अफ्रीका सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में उभरे हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026' के दौरान 'भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और अफ्रीका, जो मिलकर दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये समावेशी, न्यायसंगत और भविष्य के लिए तैयार विकास के साझा लक्ष्य रखते हैं। 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026' के तीसरे दिन 'भारत-अफ्रीका स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप मीट' में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिजली आर्थिक विकास को गति देने, सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने और नए अवसर खोलने के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' की अवधारणा को वैश्विक ऊर्जा

कनेक्टिविटी के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण और संस्थागत क्षमता निर्माण भारत-अफ्रीका सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं। मनोहर लाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक विकास को गति देने, गरिमा सुनिश्चित करने और अवसरों को खोलने के लिए बिजली महत्वपूर्ण है। इस बैठक में यह भी तय हुआ कि भारत और अफ्रीका नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार, जुड़े हुए ग्रिड सिस्टम, ऊर्जा स्टोरेज तकनीक और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि भारत-अफ्रीका साझेदारी को अब केवल विचार से आगे बढ़ाकर जमीन पर लागू करने की जरूरत है। उन्होंने सभी के लिए सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके अलावा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में टिकाऊ विकास और बेहतर जल प्रबंधन को प्रगति का अहम आधार बताया। इस मौके पर अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिन ने कहा कि अफ्रीका को मदद नहीं, बल्कि निवेश की जरूरत है, जिससे बेहतर परिणाम और विकास हासिल किया जा सके। उन्होंने बताया कि अफ्रीका अब निवेश योग्य परियोजनाओं, ट्रांसमिशन विस्तार और निजी निवेश बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत विद्युत शिखर सम्मेलन 2026 के तीसरे दिन नई दिल्ली में भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने की।

इस बैठक में विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मलावी सरकार के ऊर्जा एवं खनन मंत्री डॉ. जीन मथांगा, अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिन, कई अफ्रीकी देशों के मंत्री, अफ्रीकी संघ और अफ्रीका 50 के नेता, राजदूत, उच्चायुक्त, विद्युत कंपनियों के प्रतिनिधि, वित्तीय संस्थान, विकास भागीदार और उद्योग जगत के नेता उपस्थित थे।

‘धुरंधर 2’ का बॉक्स ऑफिस पर तूफान

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की जासूसी थ्रिलर 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त तहलका मचा दिया है। फिल्म ने रिलीज के साथ ही ऐसी रफ्तार पकड़ी है कि रणवीर अपने ही पुराने रिकॉर्ड्स तोड़ते नजर आ रहे हैं। पेड प्रिव्यू से शानदार शुरुआत करने के बाद फिल्म ने पहले और दूसरे दिन की कमाई से नया इतिहास रच दिया है, जिससे इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा है। ट्रेंड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने रिलीज से पहले पेड प्रिव्यू में करीब 43 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि पहले दिन 102.55 करोड़ की रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग दर्ज की। दूसरे दिन भी फिल्म की रफ्तार बरकरार रही और इसने 80.72 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह महज दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। 'धुरंधर 2' ने रणवीर सिंह की ही पिछली हिट फिल्म बाजीराव मस्तानी के 184 करोड़ रुपये के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है और अब इसकी नजर सिम्बा के 240.22 करोड़ रुपये के आंकड़े पर है। फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है, जिसमें आर माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं, साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को 'धुरंधर 2' से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले दिन 34.75 करोड़ की मजबूत ओपनिंग के बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट आई और यह केवल 9.25 करोड़ रुपये ही जुटा सकी। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल 'धुरंधर 2' का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिल रहा है।

‘धुरंधर 2’ के बाद अर्जुन रामपाल की नई पारी

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनका खतरनाक लुक दर्शकों को चौंका रहा है। इसी बीच उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी के साथ एक भव्य पैन-इंडिया फिल्म में नजर आ सकते हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित होगी। बताया जा रहा है कि 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' शीर्षक से बन रही इस फिल्म में ऋषभ शेट्टी छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे, जबकि अर्जुन रामपाल विलेन के दमदार किरदार में दिखाई दे सकते हैं। इस ऐतिहासिक फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें शानदार विजुअल्स और भावनात्मक कहानी के जरिए मराठा सम्राट के गौरवशाली इतिहास को प्रस्तुत करने की योजना है। फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह करेंगे, जो इस प्रोजेक्ट के जरिए अपना डायरेक्शन डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, अर्जुन रामपाल की मौजूदा फिल्म 'धुरंधर 2' भी बॉक्स ऑफिस पर चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में उनके साथ रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। 'धुरंधर 2' की कहानी जासूसी और एक्शन से भरपूर है, जिसमें अर्जुन रामपाल का किरदार खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

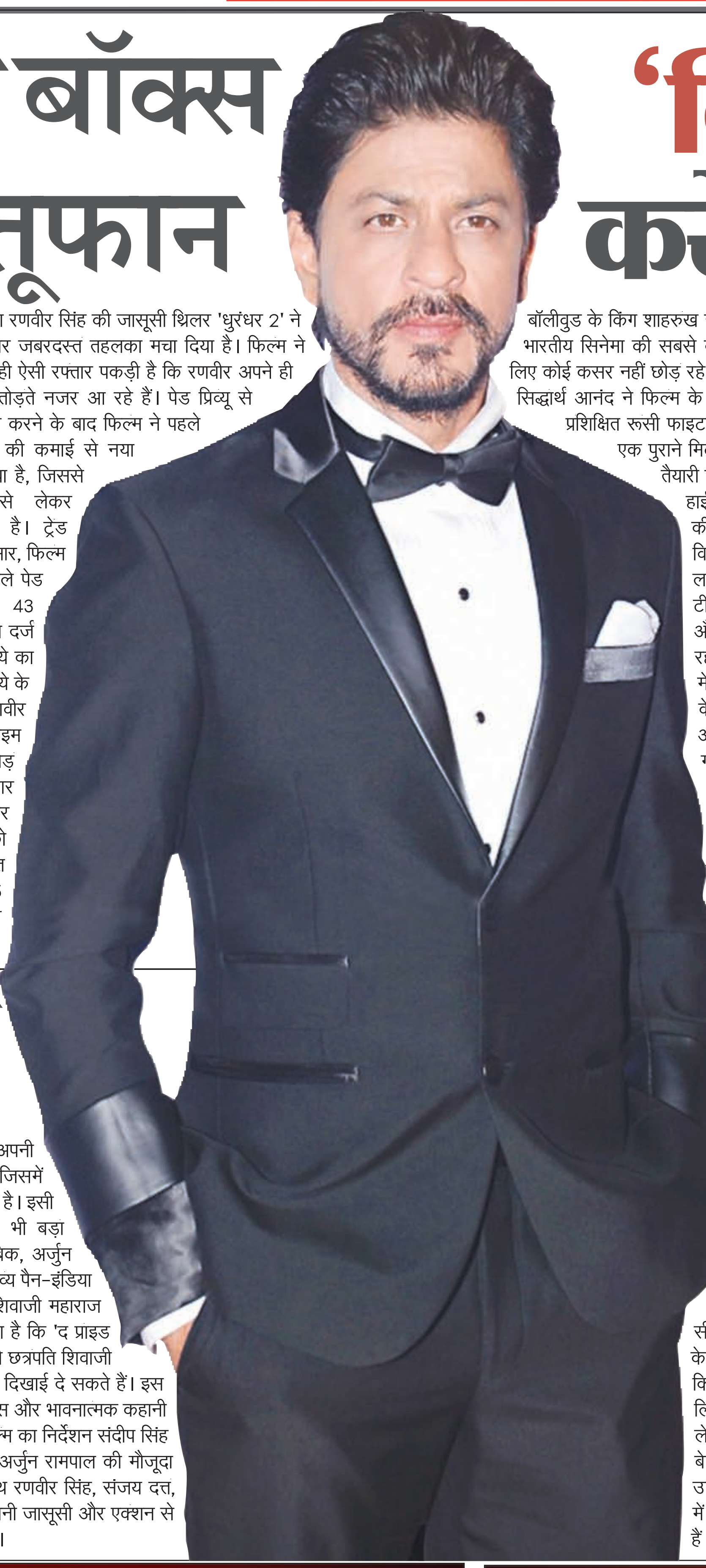

‘किंग’ का एक्शन करेगा सबको हैरान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में शामिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म के एक खास एक्शन सीक्वेंस के लिए 10 प्रशिक्षित रूसी फाइटर्स को मुंबई बुलाया है। विले पार्ले स्थित एक पुराने मिल सेट पर इस भव्य सीन की शूटिंग की तैयारी पूरी कर ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन 23 मार्च से मुंबई की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में तैयार किए गए विशाल सेट पर शूट किया जाएगा, जो लगभग एक सप्ताह तक चलेगा। फिल्म की टीम स्टाइलिश एक्शन के बजाय रियल और जमीनी फाइट कोरियोग्राफी पर जोर दे रही है। खास बात यह है कि इस सीक्वेंस में शाहरुख खान बिना किसी बॉडी डबल के खुद खतरनाक स्टंट करते नजर आएंगे, जिसके लिए उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म में एक और बड़ा आकर्षण विजयदशमी के बैकड्रॉप पर फिल्माया गया एक्शन सीन है, जिसमें सुहाना खान अपने पिता शाहरुख के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक्शन करती दिखेंगी। इस सीक्वेंस की शूटिंग के लिए दोनों ने लगातार आठ रातों तक काम किया है। 'किंग' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है, खासकर इसलिए भी क्योंकि इसमें अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

62 की उम्र में दुल्हन बनना चाहती है एक्ट्रेस, 6 लोगों के साथ रहा रिश्ता

कुनिका सदानंद बिग बॉस में कई बार अपने रिलेशन पर बात करती दिखती थीं। एक बार फिर उन्होंने अपने रिश्ते पर बड़ा बयान दिया है। फिल्मीज्ञान को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मेरे 2 लिवइन रिलेशनशिप थे। 2 शादियां कीं और 2 शॉर्ट टर्म रिलेशनशिप रहे। कुनिका कहती हैं कि हमारी सोसायटी में ये लग्जरी सिर्फ मर्दों को दी जाती है। पर हमें भी ये सब करने का हक है। उन्होंने ये कभी कहा कि मैं आज भी प्यार करने के लिए तैयार हूं, लेकिन बस मुझे सॉलिड कमिटमेंट चाहिए। जिस दिन कुनिका को उनका पसंदीदा पार्टनर मिल जाएगा, वो सेटल होने में देरी नहीं करेंगी। एक समय पर कुनिका सदानंद और सिंगर कुमार सानू सीरियस रिलेशनशिप में थे। कुनिका कई सालों तक कुमार सानू के साथ लिवइन में भी रही थीं। बिग बॉस में कुनिका ने बताया था कि वो शादीशुदा मर्द के प्यार में थीं, लेकिन उन्हें धोखा मिला। लिवइन रिलेशनशिप से पहले कुनिका दो शादियां कर चुकी थीं, लेकिन उनके रिश्ते असफल रहे। दोनों शादियों से कुनिका को दो बेटे अरिहंत कोठारी और अयान लाल हुए। कुनिका के मुताबिक, उन्होंने दोनों बेटों की कस्टडी पाने के लिए काफी जद्दोजहद की थी। सिंगल मदर के तौर पर उन्हें उनकी परवरिश करने में दिक्कत भी आई, लेकिन वो हर मुश्किल को पार करती चली गईं। 62 की उम्र में वो फिर से अपना घर बसाना चाहती हैं और ये बात वो खुल्लमखुल्ला कह रही हैं। उम्र के इस पड़ाव में उनका खुद के लिए सोचना बुरा नहीं है।